Maharshi Dayanand University, Rohtak
M.A. Hindi (2016-18)
HND2

Programme Specific Outcomes

PSO1. आधुनिक काल में रचित हिंदी कविता की विविध प्रवृत्तियों को महत्वपूर्ण कवियों और कविताओं द्वारा समझना।

PSO2. आधुनिक काल में रचित विविध गद्य विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ताकि उनके माध्यम से साहित्य एवं समाज के अन्तरसम्बन्ध की जानकारी हो सके।

PSO3.1050 ई॰ से अब तक रचित हिंदी साहित्येतिहास की विविध सोपानों के माध्यम से जानकारी।

PSO 4. भाषा एवं विज्ञान, कोश विज्ञान, शैली विज्ञान लिपि की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना।

PSO 5. जनजीवन में गहरी पैठ बनाने वाले कवि कबीर की बानी की निर्गुण साहित्य परम्परा को जानना।

PSO 6. समन्वयवाद के प्रस्त्रोता तुलसीदास साहित्य को रामभक्ति काव्य के संदर्भ में समझना।

PSO 7. भक्ति, श्रृंगार और वात्सल्य रस के चित्रण में बेजोड़ सूरदास को कृष्णभक्ति के माध्यम से समझना।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
DEPARTMENT OF HINDI

Scheme of Examination for M.A. Hindi
Semester - 1st

SR. No.	Paper Code	Nature of Paper	Nomenclature	Theory Marks	Internal Assessment	Practical	Total Marks	Credit			Credit Total	Exam Time
								L	T	P		
1	16HND21C1	CORE	आधुनिक हिन्दी कविता – I	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
2	16HND21C2	CORE	आधुनिक गद्य साहित्य – I	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
3	16HND21C3	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास – I	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
4	16HND21C4	CORE	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – I	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
5	16HND21D1	Discipline Specific Elective (Any One)	विशेष रचनाकार कबीरदास – I	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
	16HND21D2		विशेष रचनाकार तुलसीदास – I									
	16HND21D3		विशेष रचनाकार सूरदास – I									

Semester - 2nd

SR. No.	Paper Code	Nature of Paper	Nomenclature	Theory Marks	Internal Assessment	Practical	Total Marks	Credit			Credit Total	Exam Time
								L	T	P		
6	16HND22C1	CORE	आधुनिक हिन्दी कविता –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
7	16HND22C2	CORE	आधुनिक गद्य साहित्य –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
8	16HND22C3	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
9	16HND22C4	CORE	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
10	16HND22D1	Discipline Specific Elective (Any One)	विशेष रचनाकार कबीरदास –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
	16HND22D2		विशेष रचनाकार तुलसीदास –।।									
	16HND22D3		विशेष रचनाकार सूरदास –।।									
11	Foundation Elective		To be choosen from the pool of Foundation Electivies provided by the University								2	3 Hr.
12	Open Elective		To be choosen from the pool of Open Electivies provided by the University								3	3 Hr.

Semester - 3rd

SR. No.	Paper Code	Nature of Paper	Nomenclature	Theory Marks	Internal Assessment	Practical	Total Marks	Credit			Credit Total	Exam Time
								L	T	P		
13	17HND23 C1	CORE	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य –।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
14	17HND23 C2	CORE	भारतीय काव्यशास्त्र –।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
15	17HND23 C3	CORE	भारतीय साहित्य –।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
16	17HND23 DA1	Discipline Specific Elective (Any One)	प्रयोजनमूलक हिन्दी –।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
	17HND23 DA2		दृश्य श्रव्य माध्यम–लेखन –।									
	17HND23 DA3		कोश विज्ञान –।									
	17HND23 DA4		स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता –।									
	17HND23 DA5		नाटक और रंगमंच –।									
	17HND23 DA6		हिन्दी उपन्यास –।									
17	17HND23 DB1	Discipline Specific Elective (Any One)	विशेष रचनाकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र –।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
	17HND23 DB2		विशेष रचनाकार प्रेमचंद –।									
	17HND23 DB3		विशेष रचनाकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–।									
	17HND23 DB4		विशेष रचनाकार जयशंकर प्रसाद–।									
	17HND23 DB5		विशेष रचनाकार सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'–।									
	17HND23 DB6		विशेष रचनाकार गजानन माधव मुक्तिबोध –।									
18	Open Elective		To be choosen from the pool of Open Electivies provided by the University									3 Hr.

Semester 4th

SR. No.	Paper Code	Nature of Paper	Nomenclature	Theory Marks	Internal Assessment	Practical	Total Marks	Credit			Credit Total	Exam Time
								L	T	P		
19	17HND24C1	CORE	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
20	17HND24C2	CORE	पाश्चात्य काव्यशास्त्र –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
21	17HND24C3	CORE	भारतीय साहित्य –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
22	17HND24DA1	Discipline Specific Elective (Any One)	प्रयोजनमूलक हिन्दी –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
	17HND24DA2		दृश्य श्रव्य माध्यम–लेखन –।।									
	17HND24DA3		कोश विज्ञान –।।									
	17HND24DA4		स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता –।।									
	17HND24DA5		नाटक और रंगमंच –।।									
	17HND24DA6		हिन्दी उपन्यास –।।									
23	17HND24DB1	Discipline Specific Elective (Any One)	विशेष रचनाकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र –।।	80	20	--	100	4	0	0	4	3 Hr.
	17HND24DB2		विशेष रचनाकार प्रेमचंद –।।									
	17HND24DB3		विशेष रचनाकार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–।।									
	17HND24DB4		विशेष रचनाकार जयशंकर प्रसाद–।।									
	17HND24DB5		विशेष रचनाकार सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय –।।									
	17HND24DB6		विशेष रचनाकार गजानन माधव मुक्तिबोध –।।									

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक हिंदी कविता – I

Hard Core **Paper Code : 16HND21C1**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. आधुनिक कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और परंपरा का ज्ञान कराना।
CO 2. छायावादी कविता का अंतरंग परिचय पाने के लिए प्रसाद और निराला से प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का पारायण करना और प्रसाद और निराला की रचनाओं की जानकारी के साथ दक्षता पैदा करना।
CO 3. प्रगतिवादी आंदोलन की प्रवृत्तियों और निष्पत्तियों को चुनिंदा कवियों की कृतियों के माध्यम से जानना और प्रगतिवादी कवियों के सामाजिक सरोकारों और कलात्मक विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।
CO 4. प्रयोगवादी कविता और नई कविता आंदोलन की रचनाओं को प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से समझना और प्रयोगवादी और नई कविता के माध्यम से समकालीन कविता की प्रमुख विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।
CO 5. आधुनिककालीन हिन्दी कविता की विकास परंपरा और विविध आंदोलनों की जानकारी।

क पाठ्य विषय

1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)
2 जयशंकार प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)
3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुन्दरी, मैं अकेला, तोडती पत्थर, बादल राग प्रथम खंड
4 रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र षष्ठम् सर्ग

ख आलोच्य विषय

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य ।
कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्य बोध ।
निराला : छायावादी काव्य परम्परा में निराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्तिपूजा का मूल कथ्य ।
कुरूक्षेत्र : उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूल प्रतिपाद्य ।

सहायक ग्रंथ

1 मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ0 उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2 मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : डॉ0 ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर ।
3 साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4 संपूर्ण कामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ0 हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5 निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6 नई कविता की भूमिका : डॉ0 प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
7 छायावादी काव्य और निराला : डॉ0 कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।
8 निराला : डॉ0 पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
9 निराला और नवजागरण : डॉ0 रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर ।
10 निराला – डॉ0 रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
11 निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग – डॉ. रामनिवास शर्मा, राजकमल दिल्ली ।
12 छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह
13 निराला की साहित्य साधना – डॉ0 रामविलास शर्मा तीनों खंड
14 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ0 ललन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक ।
15 अज्ञेय की काव्य चेतना – डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाडा दिल्ली ।
16 दिनकर काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डा0 शम्भु नाथ

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा ।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य –।

Hard Core **Paper Code : 16HND21C2**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. आधुनिक गद्य–साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।
CO 2. आधुनिक गद्य–साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।
CO 3. आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।
CO 4. आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।
CO 5. आधुनिक गद्य–साहित्य में गद्य भाषा से ग्राम्यत्व हटाकर उसमें नागरिक स्निग्धता का पुट दिया गया।

पाठ्य विषय

1 गोदान – प्रेमचंद
2 बाणभट्ट की आत्मकथा – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3 अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
4 कथान्तर – संपा0 डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली
निर्धारित कहानियाँ – उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, पत्नी, गैंग्रीन, वापसी, लाल पान की बेगम ।

आलोच्य विषय

गोदान	1	कृषक जीवन का महाकाव्य
	2	युगीन समस्याओं का निरूपण
	3	प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण
	4	प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान
बाणभट्ट की आत्मकथा	1	मूल संवेदना
	2	प्रेम दर्शन
	3	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के स्त्री–पात्र
	4	बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता
अतीत के चलचित्र	1	महादेवी वर्मा की संवेदना
	2	सामाजिक समस्याओं का निरूपण
	3	चरित्र–चित्रण
	4	रचना–शिल्प
कहानी संग्रह	पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प	

सहायक ग्रंथ

1 गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ0 रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार ।
2 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
3 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रेमचंद : डॉ0 गंगा प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
6 कहानी : नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।
7 हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8 कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
9 हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली ।
10 हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ0 वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना।
11 नई कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
12 हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा ।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल और रीति काल)/मध्यकाल तक –।

Hard Core **Paper Code : 16HND21C3**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृत्तान्तों का सन्निवेश होता है। इतिहास–दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।
CO 2. इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के सन्दर्भों से आगत को प्रभावित करती है।
CO 3. हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है कि वह में नयी व्याख्या, नयी प्रेरणा और नयी दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।
CO 4. आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।
CO 5. मानव–समाज की सम्पूर्ण गति तथा परिवर्तन का मूल्यों के संदर्भ में भी अध्ययन करता है।

1 हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व – पीठिका

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा – निर्धारण

2 आदिकाल

नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
रासो काव्य–परंपरा
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

3 भक्तिकाल

परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
भक्ति–आंदोलन
भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान
संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
सूफी काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
राम काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
कृष्ण काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
भक्तिकाल : स्वर्णयुग

4 रीतिकाल

नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ–
- रीतिबद्ध
- रीतिसिद्ध
- रीतिमुक्त

पठनीय पुस्तकें

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।
13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र् भाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी । परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से कम से कम एक प्रश्न अर्थात् कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – I

Hard Core **Paper Code : 16HND21C4**

पूर्णांक : 100 अंक

समय : 3 घण्टे आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी
CO 2. स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप तथा वाक् उत्पादन प्रक्रिया का ज्ञान
CO 3. रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी
CO 4. हिन्दी भाषा का इतिहास एवं विकास–क्रम का ज्ञान कराना।
CO 5. लिपि विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए हिन्दी प्रचार–प्रसार में व्यक्तियों तथा संस्थाओं के योगदान की जानकारी।

1 भाषा

भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
भाषा के अध्ययन क्षेत्र
भाषा की व्यवस्था और व्यवहार
भाषा की संरचना
भाषा के अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)

2 स्वनविज्ञान

वाग्यंत्र और ध्वनि–उत्पादन प्रक्रिया
स्वन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण और उनकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ
स्वनिम : स्वरूप और वर्गीकरण

3 रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान

शब्द और रूप (पद)
संबंध तत्त्व और अर्थ तत्त्व
रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप
रूपिमों का वर्गीकरण
भाषा की इकाई के रूप में वाक्य
अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद
वाक्य के प्रकार :
रचना की दृष्टि से
अर्थ की दृष्टि से
वाक्य की गहन संरचना और बाह्य संरचना

4 अर्थ विज्ञान

अर्थ की अवधारणा, शब्द – अर्थ संबंध
अर्थ–बोध के साधन
एकार्थकता, अनेकार्थता
अर्थ – परिवर्तन की दिशाएँ

5 **भाषा – लिपि एवं अन्य विषय–संबंध**

भाषा और लिपि के घटकों के संबंध
भाषाविज्ञान और अन्य शास्त्रों/विषयों से संबंध
भाषाविज्ञान और व्याकरण, भाषा विज्ञान और साहित्य
व्यतिरेकी भाषाविज्ञान
समाज भाषाविज्ञान

सहायक ग्रंथ

1 भाषाविज्ञान और मानक हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली – 6 2004 ई0

2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला 2006 ई0

3 भाषा और भाषाविज्ञान – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94 2004 ई0

4 भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0

5 हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0

6 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0

7 भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0

8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0

9 हिंदी : उद्‌भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद । 1980 ई0

10 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0

11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना 2000 ई0

12 आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली । 2000 ई0

13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली । 2001 ई0

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक––एक अंक का होगा।

प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प – कबीरदास –।

Soft Core **Paper Code : 16HND21D1**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. कबीर के समाजसुधारक रूप को समझने के लिए।
CO 2. समकालीन संदर्भों में कबीर की महत्ता को समझना।
CO 3. कबीर के ज्ञान और प्रेम के माध्यम से समाज की सुप्त चेतना को जगाने का प्रयास करना।
CO 4. निर्गुण भक्ति के स्वरूप को जानने के लिए।

क व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास
प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

निम्नलिखित अंग निर्धारित किए जाते हैं –

1 गुरुदेव कौ अंग	2 सुमिरण कौ अंग	3 बिरह कौ अंग
4 ग्यान बिरह कौ अंग	5 परचा कौ अंग	6 निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7 चितावणी कौ अंग	8 मन कौ अंग	9 माया कौ अंग
10 सहज कौ अंग	11 सॉच कौ अंग	12 भ्रम विधौंषण कौ अंग
13 भेष कौ अंग	14 कुसंगति कौ अंग	15 साथ कौ अंग
16 साध महिमा कौ अंग	17 मधि कौ अंग	18 सारग्राही कौ अंग
19 उपदेश कौ अंग	20 बेसास कौ अंग	21 सबद कौ अंग
22 जीवन मृतक कौ अंग	23 हेत प्रीति कौ अंग	24 काल कौ अंग
25 कस्तूरियाँ मृग कौ अंग	26 निंद्या कौ अंग	27 बेली कौ अंग
28 अबिहड कौ अंग		

ख आलोच्य विषय

1 भक्ति आन्दोलन और कबीर
2 निर्गुणमत और कबीर
3 निर्गुण काव्यपरम्परा और कबीर
4 मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर
5 कबीर का समय
6 कबीर का जीवन वृत्त
7 कबीर का कृतित्व
8 कबीर का समाज दर्शन
9 कबीर का दार्शनिक चिंतन
10 कबीर की भक्ति भावना

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति – रामसजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – रामसजन पाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
4 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह
6 कबीर मीमांसा – डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
9 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर – सं0 राम कुमार वर्मा,
11 कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए छः अवतरण पूछे जाऐंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं और पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड – ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प – तुलसीदास –।

Soft Core **Paper Code : 16HND21D2**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धर्म से अवगत कराना।

CO2. मर्यादा पुरुषोत्तम राम के चरित के माध्यम से शील, शक्ति और सौन्दर्य जैसे मूल्यों को जाग्रत करना।

CO3.कलियुग निरूपण के माध्यम से जन–मानस को विकृतियों से बचने के लिए प्रेरित किया है।

CO 4. काव्य सौष्ठव की दृष्टि से तुलसी–काव्य अद्वितीय है। इसलिए विद्यार्थियों में भाषागत संस्कार पैदा करने के लिए।

CO 5. विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

क व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तकें

रामचरित मानस–प्रकाशक : गीताप्रेस गोरखपुर

निर्धारित स्थल

1 बालकाण्ड : छन्द 1 से 43

2 अयोध्याकाण्ड : छन्द 24 से 79 तथा 117 से 184 तक

3 उत्तरकाण्ड : छन्द 115 से 130 तक

ख आलोच्य विषय

1 भक्ति आन्दोलन और तुलसीदास

2 रामकाव्य परम्परा और तुलसीदास

3 तुलसीदास का युग

4 तुलसीदास का जीवनवृत्त

5 तुलसीदास का कृतित्त्व

6 रामचरितमानस का प्रबन्ध कौशल

7 रामचरित मानस की काव्यभाषा

8 तुलसीदास की भक्ति भावना

9 तुलसीदास की दार्शनिक दृष्टि

10 तुलसीदास का समाज दर्शन

सहायक ग्रंथ

1 तुलसी दर्शन मीमांसा – डॉ0 उदयभानु सिंह

2 तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ0 उदयभानु सिंह

3 तुलसी के भक्त्यात्मक गीत – वचनदेव कुमार

4 तुलसी दास की भाषा – देवकीनन्दन श्रीवास्तव

5 तुलसी – रसायन – भगीरथ मिश्र

6 भक्ति का विकास – मुंशी राम शर्मा

7 रामकथा : उत्पत्ति और विकास – कामिल बुल्के

8 तुलसी दर्शन – बलदेव प्रसाद मिश्र

9 गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल

10 तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित
11 तुलसी की कारयित्री प्रतिभा का अध्ययन – डॉ0 श्रीधर सिंह
12 तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम – डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा
13 तुलसी : आधुनिक वातायन से – रमेश कुन्तल मेघ
14 लोकवादी तुलसी – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
15 मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारी प्रसाद द्विवेदी
16 भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य – शिव कुमार मिश्र
17 भक्ति काव्य और समाज दर्शन – प्रेम शंकर

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प – सूरदास –।

Soft Core **Paper Code : 16HND21D3**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. शुद्धाद्वैतवाद दर्शन से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

CO 2. नारी स्वातन्त्र्य की जैसी प्रबल लालसा कृष्ण भक्त कवियों और विशेषतः सूरदास में मिलती है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है अतः नारी समता पर बल देने हेतु सूरदास को पढ़ाया जा रहा है।

CO 3. सामाजिक समतावाद की स्थापना पर बल है इसलिए समाज मे सकारात्मक भाव पैदा करने के लिए।

CO 4. भक्ति भावना से विद्यार्थियों को परिचित करवाने हेतु।

क व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

सूरदास सार – सम्पादक डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
प्रकाशक – साहित्य भवन प्रा0 लिमिटेड, इलाहाबाद ।
निर्धारित स्थल – चुने हुए निम्नलिखित 200 पद

1 विनय तथा भक्ति –
निर्धारित पद – 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 13, 14, 17, 18, 21, 22, 23, 24, 25, 34, 39, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 53, 54 –– 29 पद

2 गोकुल लीला –
निर्धारित पद – 1, 2, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 12, 13, 14, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 31, 32, 33, 35, 36, 41, 44, 50, 51, 55, 58, 60, 63, 64, 66, 67, 70, 71 –– 39 पद

3 वृन्दावन लीला –
निर्धारित पद – 1, 3, 4, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 23, 24, 28, 29, 30, 31, 33, 34, 35, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 52, 53, 55, 57, 58, 59, 61, 71, 72, 79, 80, 81, 86, 97, 98, 102, 108, 109, 116, 117, 121, 125, 127, 131, 132, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 160, 164, 165, 166––72 पद

4 राधा – कृष्ण
निर्धारित पद – 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11, 14, 23, 24, 25, 30, 32, 33, 34, 35, 37, 41, 48, 50, 56, 57, 58, 59, 60, 62, 63, 64, 65, 66, 73, 74, 75, 79, 87, 88, 89, 91, 94, 95, 96, 97, 106, 107, 108, 109, 110, 119, 126, 127, 137, 144, 145, 147, 148, 152, 158, 159, 163, 164 –– 60 पद

ख आलोच्य विषय

1 भक्ति आन्दोलन और सूरदास
2 कृष्ण भक्ति काव्य परम्परा और सूरदास
3 सूरदास का जीवनवृत्त
4 सूर का समय
5 सूर का कृतित्व
6 श्रीमदभागवत और सूर सागर
7 पुष्टिमार्ग और सूरदास
8 सूर का वात्सल्य वर्णन
9 सूर का श्रृंगार वर्णन
10 सूर की भक्ति भावना

सहायक ग्रन्थ

1 सूरदास – सं0 हरबंसलाल शर्मा
2 सूर और उनका साहित्य – डॉ0 हरबंसलाल शर्मा
3 सूर की साहित्य साधना – डॉ0 भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर
4 भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
5 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
6 अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – भाषा 1 तथा 2 – डॉ0 दीनदयाल गुप्त
7 भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ0 मुंशी राम राय
8 सूरदास – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
9 सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10 सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
11 सूरदास – डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
12 अष्टछाप परिचन्द – प्रभु दयाल भीतस
13 सूर की काव्यमाला – मनमोहन गौतम

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिंदी कविता – ।।

Hard Core **Paper Code : 16HND22C1**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. आधुनिक कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और परंपरा का ज्ञान कराना।
CO 2. छायावादी कविता का अंतरंग परिचय पाने के लिए प्रसाद और निराला से प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का पारायण करना और प्रसाद और निराला की रचनाओं की जानकारी के साथ दक्षता पैदा करना।
CO 3. प्रगतिवादी आंदोलन की प्रवृत्तियों और निष्पत्तियों को चुनिंदा कवियों की कृतियों के माध्यम से जानना और प्रगतिवादी कवियों के सामाजिक सरोकारों और कलात्मक विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।
CO 4. प्रयोगवादी कविता और नई कविता आंदोलन की रचनाओं को प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से समझना और प्रयोगवादी और नई कविता के माध्यम से समकालीन कविता की प्रमुख विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।
CO 5. आधुनिककालीन हिन्दी कविता की विकास परंपरा और विविध आंदोलनों की जानकारी।

पाठ्य विषय

सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली

नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, सत्य, तीन दिन तीन रात ।

गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती

रघुवीर सहाय : पढिए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लडकी, रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा ।

आलोच्य विषय

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा

नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिकदृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प

गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्तिबोध की विश्व दृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्य शिल्प

रघुवीर सहाय : स्वातन्त्र्योत्तर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य

सहायक ग्रंथ

1 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक
3 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
5 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
7 रघुवीर सहाय : सम्पा0 विष्णुनागर और असद जैदी, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
8 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
9 अज्ञेय का रचना संसार : सम्पा0 गंगा प्रसाद विमल
10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांत वांदिवडेकर
11 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
12 अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : डॉ0
13 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ0 विद्या निवास मिश्रा
15 नागार्जुन की कविता : डॉ0 अजय तिवारी
16 नागार्जुन की काव्य यात्र : रतन कुमार पाण्डेय
17 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
18 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
19 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
21 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
22 मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल
23 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान
24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता : डॉ0 लल्लन राय, मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक ।
26 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य –।।

Hard Core **Paper Code : 16HND22C2**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. आधुनिक गद्य–साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।
CO 2. आधुनिक गद्य–साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।
CO 3. आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।
CO 4. आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।
CO 5. आधुनिक गद्य–साहित्य में गद्य भाषा से ग्राम्यत्व हटाकर उसमें नागरिक स्निग्धता का पुट दिया गया।

पाठ्य पुस्तकें

1 चंद्रगुप्त – जय शंकर प्रसाद
2 आधे अधूरे – मोहन राकेश
3 आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
4 निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, नाखून क्यों बढते हैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति की पुकार हिमालय

आलोच्य विषय

1 चंद्रगुप्त – चंद्रगुप्त की ऐतिहासिकता, नायकत्व, राष्ट्रीयता, रंगमंच की दृष्टि से चंद्रगुप्त ।
2 आधे अधूरे – आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र–चित्रण ।
3 आवारा मसीहा – जीवनी साहित्य में आवारा मसीहा का स्थान, आवारा मसीहा की रचना के प्रेरक तत्व, आवारा मसीहा में चित्रित शरतचंद्र का व्यक्तित्व वैशिष्ट्य, आवारा मसीहा के संदर्भ में शरतचंद्र की स्त्री दृष्टि ।
4 निबंध – पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का मूल प्रतिपाद्य एवं शिल्प

सहायक ग्रंथ

1 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास–डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
2 प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना–गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।
3 मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद ।
4 आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ0 गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
5 नाटककार मोहन राकेश : जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
6 मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : डॉ0 पुष्पा बंसल, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
7 समसामयिक हिंदी नाटकों में चरित्र सृष्टि : सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।
8 हिंदी नाट्य चिंतन : डॉ0 कुसुम कुमार, साहित्य भारती, दिल्ली ।

9 भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ0 नगेन्द्र, एस. चांद एंड कंपनी, दिल्ली ।
10 रंगमंच : बलवंत गार्गी : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल निबंध यात्रा : डॉ0 कृष्ण देव, इतिहास, शोध संस्थान, नई दिल्ली ।
12 हिंदी साहित्य में निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।
13 सरदार पूर्ण सिंह : राम अवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
14 हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली ।
15 समकालीन ललित निबंध : डॉ0 विमल सिंहल, श्याम प्रकाशन, जयपुर ।
16 आवारा मसीहा : जीवनी के निकष पर, माया मलिक, मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास –।।
(आधुनिक काल)

Hard Core **Paper Code : 16HND22C3**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृत्तान्तों का सन्निवेश होता है। इतिहास–दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।

CO 2. इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के सन्दर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

CO 3. हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है कि वह में नयी व्याख्या, नयी प्रेरणा और नयी दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।

CO 4. आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

CO 5. मानव–समाज की सम्पूर्ण गति तथा परिवर्तन का मूल्यों के संदर्भ में भी अध्ययन करता है।

1 **आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास**
परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक 1857 ई0 की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण

2 **भारतेंदु युग :** प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

3 **द्विवेदी युग :** प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

4 **छायावादी काव्य :** प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

5 **उत्तर छायावादी काव्य :** प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ
प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताए
नई कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

6 **हिंदी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास**

कहानी	उपन्यास
नाटक	निबंध
संस्मरण	रेखाचित्र
जीवनी	आत्मकथा
रिपोर्ताज	

7 **हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास**

8 **दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय**

9 **हिन्दी की संस्कृति** (संस्थाएँ, पत्रिकाएँ, आंदोलन और प्रतिष्ठान)

पठनीय पुस्तकें

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संस, दिल्ली ।
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 रामसजन पाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ
13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश –

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – ।।

Hard Core **Paper Code : 16HND22C4**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी
CO 2. स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप तथा वाक् उत्पादन प्रक्रिया का ज्ञान
CO 3. रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी
CO 4. हिन्दी भाषा का इतिहास एवं विकास–क्रम का ज्ञान कराना।
CO 5. लिपि विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए हिन्दी प्रचार–प्रसार में व्यक्तियों तथा संस्थाओं के योगदान की जानकारी।

1 हिंदी भाषा का इतिहास

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : परिचय
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय – हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

2 हिंदी का विकासात्मक स्वरूप

हिंदी की उप भाषाएँ :
पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियाँ
पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियाँ
मानक हिंदी का स्वरूप
काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास
काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिंदी के रूप मे खडी बोली का विकास
हिंदी की संवैधानिक स्थिति

3 हिंदी का भाषिक स्वरूप

स्वनिम व्यवस्था : स्वर – परिभाषा और वर्गीकरण
व्यंजन – परिभाषा और वर्गीकरण
हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
हिंदी व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरुष, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ में
हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
हिंदी वाक्य रचना
हिंदी के विविध रूप ;बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा

4 नागरी लिपि और हिंदी प्रचार–प्रसार

हिंदी : प्रचार–प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान
प्रमुख संस्थाओं का योगदान
नागरी लिपि का नामकरण और विकास
नागरी लिपि की वैज्ञानिकता
नागरी लिपि का मानकीकरण

5 **हिंदी कंप्यूटिंग**

कंप्यूटर परिचय एवं महत्व
आंकडा संसाधन
वर्तनी–शोधन

सहायक ग्रंथ

1 भाषाविज्ञान और मानक हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली – 6 2004 ई0

2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला 2006 ई0

3 भाषा और भाषाविज्ञान – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94 2004 ई0

4 भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0

5 हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0

6 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0

7 भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0

8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0

9 हिंदी : उद्‌भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद । 1980 ई0

10 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0

11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना 2000 ई0

12 आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली । 2000 ई0

13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली । 2001 ई0

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी । परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे । जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प – कबीरदास –।।

Soft Core **Paper Code : 16HND22D1**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. कबीर के समाजसुधारक रूप को समझने के लिए।
CO 2. समकालीन संदर्भों में कबीर की महत्ता को समझना।
CO 3. कबीर के ज्ञान और प्रेम के माध्यम से समाज की सुप्त चेतना को जगाने का प्रयास करना।
CO 4. निर्गुण भक्ति के स्वरूप को जानने के लिए।

क व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास
प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

1 पद – निम्नलिखित पद निर्धारित किए जाते हैं–

1, 2, 3, 4, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 21, 23, 24,
32, 34, 37, 38, 39, 41, 42, 43, 48, 49, 51, 52, 53,
56, 57, 59, 60, 61, 64, 69, 80, 84, 89, 91, 92,
99, 100, 111, 117, 120, 129, 132, 136, 139, 153,
156, 165, 169, 175, 180, 181, 184, 219, 224, 226,
233, 234, 235, 251, 258, 273, 286, 289, 298, 304,
306, 307, 310, 311, 312, 313, 317, 323, 330, 336,
337, 338, 342, 356, 359, 361, 367, 370, 371, 377,
378, 382, 383, 387, 389, 390, 394, 396, 400, 402,
405 – 100 पद

2 रमैंणी सम्पूर्ण

ख आलोच्य विषय

1 कबीर का स्त्री विषयक चिन्तन
2 कबीर की मानवतावादी दृष्टि
3 कबीर का रहस्यवाद
4 कबीर के राम
5 कबीर की प्रासंगिकता
6 कबीर के काव्यरूप
7 कबीर की उलटबासियाँ
8 कबीर की प्रतीक योजना
9 कबीर की भाषा

10 कबीर के पारिभाषिक शब्द
अलख, सहज, शून्य, निरंजन, रणसम, उन्मनि, अजपाजाम, अनहदनाद, सुरति निरति, नाद बिन्दु, औंधा कुँआ

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृत्ति – राम सजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – राम सजन पाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
4 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह
6 कबीर मीमांसा – डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
9 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर – सं0 राम कुमार वर्मा,
11 कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए छः अवतरण पूछे जाऐंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं और पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प – तुलसीदास–।।

Soft Core **Paper Code : 16HND22D2**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धर्म से अवगत कराना।

CO2.मर्यादा पुरुषोत्तम राम के चरित के माध्यम से शील, शक्ति और सौन्दर्य जैसे मूल्यों को जाग्रत करना।

CO 3.कलियुग निरूपण के माध्यम से जन–मानस को विकृतियों से बचने के लिए प्रेरित किया है।

CO 4. काव्य सौष्ठव की दृष्टि से तुलसी–काव्य अद्वितीय है। इसलिए विद्यार्थियों में भाषागत संस्कार पैदा करने के लिए।

CO 5. विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

क व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

1 विनय पत्रिका – प्रकाशक : गीता प्रेस, गोरखपुर ।

निर्धारित पद

65, 66, 67, 68, 73, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 84, 85, 87, 88, 89, 90, 91, 95, 96, 100, 101, 102, 103, 105, 111, 114, 120, 124, 149, 155, 156, 160, 162, 164, 167, 169, 172, 174, 198, 201, 213, 214, 215, 223, 226, 229, 269, 275, 279 –– 50 पद

2 कवितावली का उत्तरकाण्ड छन्द 1 से 148 तक
प्रकाशक : गीता प्रेस, गोरखपुर ।

ख आलोच्य विषय

1 विनय पत्रिका का प्रतिपाद्य

2 कवितावली का काव्यरूप

3 कवितावली की काव्य संवेदना

4 तुलसीदास का समन्वयवाद

5 तुलसीदास की नारी दृष्टि

6 तुलसी की राम – राज्य विषयक परिकल्पना

7 तुलसी की लोकमंगल भावना

8 तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त विविध भाषा – रूप

9 तुलसीदास का अभिव्यक्ति सौन्दर्य

10 तुलसीदास की अलंकार योजना

11 तुलसीदास की सार्थकता

सहायक ग्रन्थ

1 तुलसी दर्शन मीमांसा – डॉ0 उदयभानु सिंह
2 तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ0 उदयभानु सिंह
3 तुलसी के भक्त्यात्मक गीत – वचनदेव कुमार
4 तुलसी दास की भाषा – देवकीनन्दन श्रीवास्तव
5 तुलसी – रसायन – भगीरथ मिश्र
6 भक्ति का विकास – मुंशी राम शर्मा
7 रामकथा : उत्पत्ति और विकास – कामिल बुल्के
8 तुलसी दर्शन – बलदेव प्रसाद मिश्र
9 गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
10 तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित
11 तुलसी की कारयित्री प्रतिभा का अध्ययन – डॉ0 श्रीधर सिंह
12 तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम – डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा
13 तुलसी : आधुनिक वातायन से – रमेश कुन्तल मेघ
14 लोकवादी तुलसी – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
15 मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारीप्रसाद द्विवेदी
16 भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य – शिव कुमार मिश्र
17 भक्ति काव्य और समाज दर्शन – प्रेम शंकर

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एकअंक का होगा ।

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प – सूरदास–।।

Soft Core **Paper Code : 16HND22D3**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. शुद्धाद्वैतवाद दर्शन से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
CO 2. नारी स्वातन्त्र्य की जैसी प्रबल लालसा कृष्ण भक्त कवियों और विशेषतः सूरदास में मिलती है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है अतः नारी समता पर बल देने हेतु सूरदास को पढ़ाया जा रहा है।
CO 3. सामाजिक समतावाद की स्थापना पर बल है इसलिए समाज मे सकारात्मक भाव पैदा करने के लिए।
CO 4. भक्ति भावना से विद्यार्थियों को परिचित करवाने हेतु।

क व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तकें

सूरसागर सार : सम्पादक – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
प्रकाशक –
निर्धारित स्थल – चुने हुए निम्नलिखित 200 पद

1 मथुरा गमन
निर्धारित पद – 4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 17, 18, 19, 20, 27, 35, 37, 40, 43, 45, 52, 57, 58, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 84, 87, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116 = 65 पद

2 उद्धव सन्देश
निर्धारित पद – 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 15, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 25, 27, 29, 30, 31, 32, 33, 36, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 56, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 69, 70, 73, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 84, 86, 91, 92, 94, 95, 96, 97, 98, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 118, 119, 120, 123, 125, 126, 127, 130, 132, 133, 134, 135, 136, 139, 140, 141, 145, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 157, 158, 159, 161,165, 166, 167, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 181, 182, 184, 187, 188 = 121 पद

3 द्वारिकाचरित
निर्धारित पद – 10, 11, 12, 14, 15, 16, 17, 19, 20, 34, 39, 42, 45, 50 = 14 पद

ख आलोच्य विषय

1 सूर का दार्शनिक दृष्टिकोण
2 भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत
3 सूर का प्रकृति – निरूपण

4 सूर के प्रमुख पात्र : राधा, कृष्ण, गोपियाँ आदि
5 सूर का सौन्दर्य बोध
6 सूर – साहित्य और ब्रज संस्कृति
7 सूर की गीति योजना
8 सूर का काव्य – शिल्प
9 सूर की काव्य – भाषा
10 सूर की अलंकार – योजना

पठनीय ग्रन्थ

1 सूरदास – सं0 हरबंसलाल शर्मा
2 सूर और उनका साहित्य – डॉ0 हरबंसलाल शर्मा
3 सूर की साहित्य साधना – डॉ0 भगवतस्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर
4 भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
5 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
6 अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय – भाषा 1 तथा 2 – डॉ0 दीनदयाल गुप्त
7 भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ0 मुंशी राम राय
8 सूरदास – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
9 सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10 सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
11 सूरदास – डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
12 अष्टछाप परिचन्द – प्रभु दयाल भीतस
13 सूर की काव्यमाला – मनमोहन गौतम

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – I

Hard Core **Paper Code : 17HND23C1**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. 'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रास काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

CO 2. विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयंगम किया जाता है।

CO 3. मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

CO 4. रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ–साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

- **चन्दवरदायी** : पृथ्वीराज रासउ का पदमावती समय : संपादक माता प्रसाद गुप्त
- **विद्यापति** : विद्यापति की पदावली : संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी

निर्धारित पद – 1, 2, 4, 8, 9, 11, 12, 14, 35, 38, 62, 72, 141, 144, 145, 174, 176, 178, 190, 191, 199(अ), 216, 235, 252, 253–कुल 25 पद

कबीर

कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित अंश (I) पाठ्य साखियाँ–106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 245, 246, 255, 256

(II) पाठ्य पद– 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207, 209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 236, 247, 250, 253, 254– कुल 25 पद

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न

चन्दवरदायी

पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
पृथ्वीराज रासो का वस्तु–वर्णन
पदमावती समय का काव्य–सौन्दर्य

विद्यापति

विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी कवि

विद्यापति का शृंगार वर्णन
विद्यापति का सौन्दर्यबोध
विद्यापति की गीतियोजना
विद्यापति का काव्य–शिल्प

कबीर

कबीर की सामाजिक विचारधारा
कबीर की निर्गुणोपासना
कबीर की भक्ति
कबीर का दार्शनिक चिन्तन
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का काव्य–शिल्प

पठनीय पुस्तकें

1 पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
2 चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।
3 आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ, डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 विद्यापति का सौन्दर्यबोध–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली ।
5 विद्यापति : व्यक्ति और कवि–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली ।
6 विद्यापति–विश्वनाथ मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
7 कालजयी कबीर–डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।
8 कबीर मीमांसा–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी ।
9 कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत–डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर ।
10 मध्ययुगीन काव्य साधना–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।
11 संत कबीर–रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
12 संत कवि दादू और उनका काव्य–वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नई दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र
भारतीय काव्यशास्त्र – I

Hard Core **Paper Code : 17HND23C2**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना
CO 2. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना
CO 3. भारतीय काव्यशास्त्र का महत्त्व और साहित्य में उसकी उपादेयता
CO 4. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों और सैद्धान्तिक अवधारणा को समझाना
CO 5. भारतीय काव्यशास्त्र में साम्य वैषम्य और उसके कारणों का ज्ञान कराना।
CO 6. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि पैदा करना

काव्य : स्वरूप और प्रकार

काव्य : अर्थ और परिभाषा
काव्य–हेतु
काव्य–प्रयोजन
काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

रस––सिद्धान्त

रस : परिभाषा तथा स्वरूप
रस–निष्पत्ति
साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
डॉ0 रामविलास शर्मा

सहायक ग्रंथ

1 काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
3 भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4 भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
6 साहित्यालोचन–श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग ।
7 हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास–भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
8 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।

9 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10 साहित्य का आधार दर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी ।
11 साहित्य और अध्ययन–गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली ।
12 हिंदी आलोचना का विकास–डॉ0 सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
13 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र
भारतीय साहित्य–।

Hard Core **Paper Code : 17HND23C3**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. भारतीय साहित्य के अध्ययन से क्षेत्रियता का लोप होकर राष्ट्रीयता का बोध कराना।
CO 2. भारतीय साहित्य के विविध आयाम इसे आधुनिकता और विश्व–दृष्टि से जोड़ते हैं।
CO 3. भारतीय साहित्य विविधता में एकता का दर्शन कराता है।
CO 4. भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित कराता है।

खण्ड क

भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा

भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
भारतीयता का समाजशास्त्र
हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

खण्ड ख

बांग्ला साहित्येतिहास का परिचयात्मक अध्ययन

चैतन्यपूर्व वैष्णव भक्ति परम्परा : संक्षिप्त परिचय
वैष्णव भक्ति परम्परा में चैतन्य महाप्रभु का योगदान
बांग्ला का इस्लामी काव्य : प्रमुख प्रवृत्तियां
बांग्ला नवजागरण आंदोलन और बांग्ला गद्य का विकास
बांग्ला की आधुनिक कविता : विकास और परम्परा
बांग्ला नाटक : विकास और परम्परा
बांग्ला उपन्यास : विकास और परम्परा

खण्ड ग

हिंदी एवं बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

हिंदी एवं बांग्ला नवजागरण का तुलनात्मक अध्ययन
भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवं बंकिमचंद्र चटर्जी के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन
उपन्यासकार प्रेमचंद एवं शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय की स्त्री–दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन
निराला एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

सहायक ग्रंथ

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य–सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्ट विलियम कालेज, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारी प्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1013

निर्देश

1. खंण्ड क में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न करना अनिवार्य है ।

2. खण्ड ख में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्न करना अनिवार्य है ।

3. खण्ड ग में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल चार दीर्घ प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

5. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प– I)
प्रयोजनमूलक हिंदी – I

Soft Core **Paper Code : 17HND23DA1**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान

CO 2. अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्त्व

CO 3. जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता और लेखन की विशिष्ट शैली का ज्ञान।

CO 4. कंप्यूटर प्रयोग की सैद्धांतिक–व्यावहारिक जानकारी और हिन्दी प्रयोग की विविध विधियों का ज्ञान कराना।

CO 5. राजभाषा हिन्दी का ज्ञान।

CO 6. कार्यालयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी।

खंड –क
प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा

- प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण, टिप्पण, पत्र–लेखन
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

खंड –ख
हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
मशीनी अनुवाद

खंड ग
अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया
- हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार
- काव्यानुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
- कहानी का अनुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- विज्ञापन का अनुवाद

सहायक पुस्तकें

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में से निर्धारित प्रत्येक खंड से तीन–तीन प्रश्न दिए जाएंगे । परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–।।)
दृश्य श्रव्य माध्यम–लेखन –।

Soft Core **Paper Code : 17HND23DA2**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप की जानकारी होना।
CO 2. दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन की सैद्धांतिकी प रप्रकाश डालना।
CO 3. मुद्रण माध्यम लेखन की विशिष्ट प्रकृति एवं सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
CO 4. आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु विविध विधाओं में लेखन के सिद्धांतों की जानकारी।

(क) दृश्य–श्रव्य माध्यम के विविध रूप

दृश्य–माध्यम (प्रिंट मीडिया) : स्वरूप और वर्गीकरण
हिंदी प्रस्तुति विवेचन
हिंदी भाषा का स्वरूप

श्रव्य–माध्यम (आकाशवाणी)
उद्‌भव, विकास और महत्त्व
हिंदी प्रस्तुति विवेचन
हिंदी भाषा का स्वरूप

दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन)
उद्‌भव, विकास और महत्त्व
हिंदी प्रस्तुति विवेचन
हिंदी भाषा का स्वरूप
दृश्य–श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

(ख) दृश्य–माध्यम (प्रिंट मीडिया) : लेखन

संचार माध्यम के लेखन का इतिहास
समाचार लेखन

साहित्यिक विधाओं का लेखन
साक्षात्कार
संस्मरण
फीचर
लघुकथा, कहानी
बाल साहित्य

समसामयिक लेख
सामाजिक विशेष संदर्भ
राजनीतिक विशेष संदर्भ
धार्मिक विशेष संदर्भ
आर्थिक विशेष संदर्भ

संपादकीय लेखन

सहायक पुस्तकें

पत्रकारिता के सिद्धान्त – डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी
द्वितीय संस्करण : 2002 नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।

आधुनिक पत्रकारिता – डॉ0 अर्जुन तिवारी
प्रथम संस्करण – 1984 ई0, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ0 हरिमोहन
प्रथम संस्करण – 1997 तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली।

हिन्दी पत्रकारिता सिद्धान्त और स्वरूप– सविता चड्ढा
प्रथम संस्करण – 1995 तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली।

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार – डॉ0 ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष – 2000

इलैक्ट्रानिक मीडिया – पी0 के0 आर्य
प्रतिभा प्रतिष्ठान, दरियागंज, नई दिल्ली प्रकाशन वर्ष – 2006

सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – प्रो0 हरिमोहन
तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष – 2002

संचार से जनसंचार – रुपचन्द गौतम
श्री नटराज प्रकाशन, नयी दिल्ली प्रकाशन वर्ष – 2005

निर्देश

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों खण्डों में से कुल आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।

2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–।।।)
कोश विज्ञान –।

Soft Core **Paper Code : 17HND23DA3**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. कोश के स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी देना और शब्दकोश, समानान्तर कोश, लोकोक्ति–मुहावरा कोश, सन्दर्भ कोश, आदि के निर्माण की प्रविधि सिखाना।
CO 2. कोश विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए अन्य विषयों के अंतरसंबंध।
CO 3. कोश निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराना।
CO 4. कंप्यूटर में कोश विज्ञान की भूमिका को प्रतिपादित करना।

खण्ड क

कोश : परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंतःसंबंध
कोश के भेद–समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश : विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्तिकोश, समांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश, बोलीकोश

खण्ड ख

कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध
पाश्चात्य कोश परंपरा, भारतीय कोश परंपरा, हिंदी कोश साहित्य का इतिहास, हिंदी के प्रमुख कोश और कोशकार
कोश–निर्माण : विज्ञान या कला

खण्ड ग

कोश–निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप–प्रविष्टियां, संक्षिप्तियां, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ ।

सहायक पुस्तकें

1 हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2 भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6 शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

निर्देश :

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड से तीन–तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–IV)
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता – I

Soft Core **Paper Code : 17HND23DA4**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता के निरंतर बदलते स्वरूप का परिचय कराना।

CO 2. कविता में आधुनिक बोध तथा विचारों की भूमिका बढ़ी। समकालीन और जनवादी कविता के साथ गज़ल भी हिन्दी कविता का हिस्सा बनी। हिन्दी कविता की विकास प्रक्रिया का ज्ञान कराना।

CO 3. शमशेर बहादुर सिंह के यथार्थवादी चित्रण और युगबोध, नरेश मेहता के काव्य में नई भाव भूमि, नए मानव मूल्य तथा नए समाज की कल्पना का प्रभाव देखा जा सकता है।

CO 4. लीलाधर जगूड़ी, कुंवरनारायण, मंगलेश डबराल और केदारनाथ को उनकी कृतियों के माध्यम से समझना और समकालीन संदर्भों में उनकी महत्ता समझना।

खण्ड–क

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता का ऐतिहासिक संदर्भ
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के विविध रूप
साठोत्तरी कविता : प्रवृत्तियाँ और उपलब्धियाँ
साठोत्तरी कविता में विचार की भूमिका
आधुनिकता बोध और स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता
नयी कविता : प्रवृत्तियाँ और उपलब्धियाँ
समकालीन कविता : प्रवृत्तियाँ और उपलब्धियाँ
जनवादी कविता : प्रवृत्तियाँ और उपलब्धियाँ
समकालीन हिंदी गज़ल : विकास एवं प्रवृत्तियॉ
समकालीन नवगीत : विकास एवं प्रवृत्तियाँ

खण्ड–ख

पाठ्य कवि

शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
कविताएॅ : फिर वह एक हिलोर उठी, बात बोलेगी, एक पीली शाम, उषा, लौट आओ धार, सौन्दर्य, बैल, गजानन मुक्तिबोध

चैत्या–श्रीनरेश मेहता : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली ।
कविताएँ : किरण–धेनुएँ, प्रार्थना, निज पथ, चाहता मन, किन्तु मैं लडूँगा ही, यदि मैं मेयर होता, महाभाव, मन्त्र–गन्ध और भाषा, अरण्यानी से वापसी, तपस्विता, अखण्ड रामायण, मॉ

आलोच्य विषय

शमशेर बहादुर सिंह : यथार्थ चित्रण, युगबोध, सामाजिक चित्रण/विचारधारा, प्रेम और सौन्दर्य, काव्यगत विशेषताएँ, काव्य–भाषा

श्रीनरेश मेहता : प्रकृति चित्रण, मिथकीय चेतना, काव्य संवेदना, काव्य शिल्प

सहायक पुस्तकें

1 अकविता और कला संदर्भ–श्याम परमार : कृष्णा ब्रदर्स, अजमेर 1968
2 आठवें दशक की हिंदी कविता–संपादक : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : प्रकाशन संस्थान, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032 : 1982
3 आधुनिकता और समकालीन रचना–संदर्भ–नरेन्द्र मोहन : आदर्श साहित्य प्रकाशन, दिल्ली : 1967
4 आधुनिकता : साहित्य के संदर्भ में–गंगाप्रसाद विमल, दि मैकमिलन कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, नयी दिल्ली–1978
5 समकालीन अनुभव और कविता की रचना प्रक्रिया : डॉ0 हरदयाल : जयश्री प्रकाशन, दिल्ली–1981
6 समकालीन कविता का मूल्यांकन–डॉ0 गुरचरण सिंह : जयश्री प्रकाशन, दिल्ली 1985
7 समकालीन कविता की भूमिका–सम्पादक : डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय एवं मंजुल उपाध्याय : दि मैकमिलन कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, नयी दिल्ली–1976
8 समकालीन कविता के सरोकार–डॉ0 गुरचरण सिंह : नवलोक प्रकाशन, दिल्ली 2000
9 समकालीन हिंदी कविता–संपादक : हरीश पाठक : पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी प्रा0 लिमिटेड, नयी दिल्ली–1996
10 समकालीन हिंदी कविताएँ–संपादक : स्वदेश भारती : रूपाम्बरा प्रकाशन, कलकत्ता : 1984
11 हिंदी कविता की प्रवृत्ति–डॉ0 हरदयाल, सरस्वती प्रेस, नई दिल्ली : 1988
12 हिंदी कविता : तीन दशक–डॉ0 रामदरश मिश्र, ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली : 1969
13 हिंदी नई कविता का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन–मंजु गुप्ता : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद : 1992
14 हिंदी नई कविता : मिथक काव्य–डॉ0 अश्विनी पाराशर : दीर्घा साहित्य संस्थान, दिल्ली–1985
15 हिंदी साहित्य : परिवर्तन के सौ वर्ष–ओंकारनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली : 1969
16 शमशेर और उनकी कविता–डॉ0 राहुल : भावना प्रकाशन, दिल्ली : 1999
17 आज की कविता–विनय विश्वास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2008

निर्देश

1. खण्ड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खण्ड ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे । दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल तीन दीर्घ प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा अंक 36 अंक का होगा ।

2. खण्ड ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से तीन–तीन अवतरण संदर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होंगी । प्रत्येक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र (विकल्प–V)
नाटक और रंगमंच –।

Soft Core **Paper Code : 17HND23DA5**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. धर्मबीर भारती के 'अंधायुग' द्वारा युद्ध की विभीषिका और परिणामों से अवगत कराना। . भारतेन्दु के 'भारत दुर्दशा' नाटक के द्वारा देश के तत्कालीन समाज का चित्रण और अंग्रेजों द्वारा आर्थिक शोषण एवं सामाजिक शोषण द्वारा देश के विनाशकारी रूप का चित्रण। 'एक कण्ठ विषपायी' तथा 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' द्वारा सड़ी गली परंपराओं का विरोध कर सत्य पथ पर अडिग रहने का भाव जाग्रत करना।सर्वेश्वर दयाल शर्मा के 'बकरी' नाटक के माध्यम से समाज में व्याप्त शोषण के प्रति शोषित वर्ग को जाग्रत करना।

CO 2. नाटक की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना।

CO 3. प्रमुख नाटकों एवं नाटककारों की विशिष्टताओं के माध्यम से नाटक और समाज के अन्तर्संबंध को समझना

CO 4. नाटक और रंगमंच के इतिहास से परिचित कराना।

CO 5. नाटकों के माध्यम से समाज के बदलते परिदृश्य, मूल्यों तथा विकास की परंपरा का ज्ञान कराना।

खण्ड क

- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन
- हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
- नाटक का तात्विक विवेचन
- नाटक और रंगमंच का अंतः संबंध
- हिंदी रंगमंच का उद्‌भव और विकास
- नाटक में दृश्य–श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

खण्ड ख

- हिंदी रंगमंच, रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक, रंग सज्जा, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, इप्टा

खण्ड ग

पाठ्य पुस्तकें

- भारत दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

आलोच्य विषय

भारत दुर्दशा : प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य, अभिनेयता
आषाढ़ का एक दिन : मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण, अभिनेयता

सहायक पुस्तकें

1	रंगमंच	बलवंत गार्गी
2	हिंदी रंगमंच का इतिहास	चंदूलाल दुबे
3	नाटक के रंगमंच प्रतिमान	वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी

4	रंगदर्शन	नेमिचंद्र जैन
5	भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास	लक्ष्मीनारायण लाल
6	रंगमंच : देखना और जानना	लक्ष्मीनारायण लाल
7	पारसी हिंदी रंगमंच	लक्ष्मीनारायण लाल
8	आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	संपा0 नेमिचंद्र जैन
9	भारतेंदु की नाट्य–कला	प्रेमनारायण शुक्ल
10	भारतेंदु हरिश्चंद्र	रामविलास शर्मा
11	भारतेंदु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता	रमेश गौतम
12	नाटककार मोहन राकेश	सुंदरलाल कथूरिया
13	मोहन राकेश की रंग दृष्टि	जगदीश शर्मा
14	आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश	डॉ0 गोविंद चातक

निर्देश

1. खण्ड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खण्ड ग में निर्धारित आलोच्य विषयों में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे । दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल तीन दीर्घ प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

2. खण्ड ग में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से तीन–तीन अवतरण संदर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होंगी । प्रत्येक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।

3. खण्ड ख में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र (विकल्प–VI)
हिंदी उपन्यास – I

Soft Core **Paper Code : 17HND23DA6**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. उपन्यास की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना।
CO 2. हिन्दी उपन्यास की विकास परंपरा का ज्ञान कराना। हिन्दी उपन्यास की विविध प्रवृत्तियों के जरिए उपन्यास की विकास यात्रा को जानना।
CO 3. उपन्यास के उद्‌भव को संभव बनाने वाली परिस्थितियों को बताना।
CO 4. प्रमुख उपन्यासों एवं उपन्यासकारों की विशिष्टताओं के जरिए उपन्यास और समाज के अन्तर्संबंध को समझना।

खण्ड क

हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास

प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास
प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास
प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास
- सामाजिक उपन्यास
- मनोवैज्ञानिक उपन्यास
- ऐतिहासिक उपन्यास
- आंचलिक उपन्यास

समकालीन हिंदी उपन्यास

खण्ड ख

पाठ्य पुस्तकें

मैला आंचल : फणीश्वर नाथ रेणु
बूंद और समुद्र – अमृतलाल नागर

आलोच्य विषय :

मैला आंचल : आंचलिक उपन्यास के रूप में मूल्यांकन, युगीन परिदृश्य, नामकरण, प्रतिपाद्य, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण

बूंद और समुद्र : नामकरण, सामाजिक उपन्यास के रूप में मूल्यांकन, युगीन परिदृश्य, मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण

सहायक पुस्तकें

1 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली ।
2 हिंदी उपन्यास पहचान और परख : डॉ0 इंद्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
3 हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास : सुरेश सिन्हा, लोक भारती, इलाहाबाद ।
4 हिंदी उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिनडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली ।

5 हिंदी उपन्यास : अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र, राजकमल, दिल्ली ।
6 आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना : चंद्रकांत वाजपेयी ।
7 हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
8 एक नजर कृष्णा सोबती पर : रोहिणी, अखिल भारती प्रकाशन, दिल्ली ।
9 हिंदी उपन्यास के प्रतिमान : डॉ0 शशिभूषण सिंहल, कला मंदिर, दिल्ली ।
10 इतिवृत्त की संरचना और संरूप : डॉ0 रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।

निर्देश

1. खण्ड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खण्ड ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे । दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है । इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल तीन दीर्घ प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा अंक 36 अंक का होगा ।

2. खण्ड ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से तीन–तीन अवतरण संदर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होंगी । प्रत्येक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–I)
भारतेन्दु हरिश्चंद्र – कवि रूप –।

Soft Core **Paper Code : 17HND23DB1**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. भारतेनदु के जीवन और साहित्य की जानकारी।
CO 2. भारतेन्दु युगीन प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना।
CO 3. हिन्दी पत्रकारिता, नाटक और काव्य के क्षेत्र में भारतेन्दु के योगदान का ज्ञान कराना।
CO 4. हिन्दी भाषा को राष्ट्र–भाषा के रूप में प्रतिष्ठित कराने में भारतेन्दु के योगदान से परिचित कराना।
CO 5. नवजागरण में भारतेन्दु के योगदान से परिचित कराना।

क पाठ्य – विषय

हिंदी की उन्नति पर व्याख्यान
प्रेम–माधुरी
सतसई – सिंगार 1 से 50 पद
नए जमाने की मुकरियाँ 1 से 14 पद
जातीय संगीत
बकरी विलाप 32 दोहे
वेणुगीति
भारत – भिक्षा

पाठ्य – पुस्तक

भारतेन्दु समग्र – हिंदी प्रचारक पब्लिकेशंस प्रा0 लि0
सी 21/30 दिशा विमोचन, वाराणसी 2002

ख आलोच्य विषय कवि – संदर्भ

1 भारतेंदु हरिश्चंद्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2 नवजागरण और भारतेंदु का साहित्य
3 भारतेंदु साहित्य में सत्ता – प्रेम और देश प्रेम
4 भारतेंदु हरिश्चंद्र के काव्य में राष्ट्रीय चेतना
5 भारतेन्दु के काव्य में सामाजिक चेतना
6 भारतेन्दु के काव्य में सांस्कृतिक चित्रण
7 भारतेंदु काव्य में व्यंग्य – विधान
8 भारतेंदु की काव्य – भाषा
9 भारतेंदु काव्य का शिल्प विधान
10 आधुनिक हिंदी के जन्मदाता : भारतेंदु हरिश्चंद्र' कथन की समीक्षा

सहायक पुस्तकें

1 भारतेंदु समग्र – हेमंत शर्मा, प्रचारक ग्रंथावली परियोजना हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी 1989
2 भारतेंदु साहित्य – रामरत्न भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद 1948
3 भारतेंदु के नाटक – डॉ0 भानुदेव शुक्ल, ग्रंथम प्रकाशन, रामबाग कानपुर 1972
4 भारतेंदु काव्यादर्श – डॉ0 कृष्ण किशोर मिश्र, प्रत्यूष प्रकाशन, कानपुर ।
5 भारतेंदु के विचार : एक पुनर्विचार – डॉ0 चन्द्रभानु सोमवर्ण अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर 1977
6 भारतेंदु साहित्य – मदन गोपाल, राजपाल एंड संस दिल्ली – 1976
7 भारतेंदु का गद्य : साहित्य – समाज – डॉ0 कपिल दुबे, साहित्य निलय, नोबस्ता, कानपुर 1967
8 भारतेंदु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता – डॉ0 रमेश गौतम, के0एल0 पचौरी प्रकाशन इन्द्रपुर गाजियाबाद, दिल्ली ।
9 भारतेंदु हरिश्चन्द्र – डॉ0 श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
10 भारतेंदु की विचारधारा – डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, शक्ति कार्यालय, दरियागंज, इलाहाबाद 1679
11 भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी जागरण – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1990
12 हिंदी नाटक विमर्श – बाबू गुलाब राम, महेन्द्रचन्द्र लक्ष्मणदास, लाहौर 1930
13 भारतेंदुकालीन व्यंग्य परंपरा – बृजेन्द्र नाथ पाण्डेय, कल्याणदास रामनारायणलाल प्रयाग

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–II)
प्रेमचंद – I

Soft Core **Paper Code : 17HND23DB2**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. प्रेमचंद की युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना।
CO 2. प्रेमचंद की पूर्ववर्ती कथा परंपरा से परिचय कराना।
CO 3. प्रेमचंद की कृत्तियों के जरिए प्रेमचंद के योगदान को रेखांकित करना। प्रेमचंद की चुनिंदा रचनाओं के जरिए प्रेमचंद को समग्रता में समझ सकना।
CO 4. प्रेमचंद के समकालीन और परवर्ती रचनाकारों–आलोचकों की दृष्टि से प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन कर सकना।

क पाठ्य विषय

प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ सम्पा0 भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

1 निर्धारित कहानियाँ –
बडे भाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, सवा सेर गेहूँ, बडे घर की बेटी, शतरंज के खिलाडी, रामलीला, आत्माराम, ठाकुर का कुँआ, दो बैलों की कथा, सद्गति, पंच परमेश्वर, परीक्षा, कफन ।
2 मानसरोवर खंड – 1
3 निर्धारित निबंध – नया जमाना पुराना जमाना, महाजनी सभ्यता, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, साहित्य का उद्देश्य, जीवन और साहित्य में घृणा का स्थान, कहानी कला

ख आलोच्य विषय

1 प्रेमचंद का जीवन – वृत्त (कलम का सिपाही एवं प्रेमचंद घर में के विशेष संदर्भ में)
2 प्रेमचंद का कृतित्व और लेखकीय जीवन की विकास रेखा
3 राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद
4 प्रेमचंद का जीवन – दर्शन
5 हिंदी कहानी के विकास में प्रेमचंद का योगदान
6 प्रेमचंद की कहानियों में युगीन यथार्थ
7 प्रेमचंद का वैचारिक गद्य (समाज, राजनीति, संस्कृति, साहित्य एवं भाषा संबंधी प्रेमचंद के विचार)
8 पत्रकारिता के संदर्भ में प्रेमचंद का योगदान
9 प्रेमचंद की भाषा
10 प्रेमचंद की प्रासंगिकता

सहायक ग्रंथ

1 जैनेन्द्र कुमार : प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व
2 नन्द दुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमल लोढ़ा सं0 : प्रेमचंद परिचर्चा
7 राजेश्वर गुरु संपादक : गोदान मूल्यांकन माला
8 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेश जैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नव मूल्यांकन
10 कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
11 नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमल कोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदन गोपाल : कलम का मजदूर

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–III)
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला –।

Soft Core **Paper Code : 17HND23DB3**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. निराला की युगीन एवं पूर्ववर्ती परिस्थितियों का आकलन।
CO 2. छायावादी कविता को निराला के योगदान और अतिक्रमण को जानना।
CO 3. छायावादी कविता की विशिष्टताओं को समझना।
CO 4. निराला के विद्रोही तेवरों और प्रगतिवादी कविता के प्रति उनके रूझान को समझना।
CO 5. निराला को उनकी कृतियों के माध्यम से समझना और समकालीन संदर्भों में उनकी महत्ता समझना।

क पाठ्य विषय

राग – विराग, सम्पा0 : डॉ0 राम विलास शर्मा सभी कविताएँ

ख आलोच्य विषय

1 निराला : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2 निराला की काव्य संवेदना
3 छायावादी कवियों में निराला का स्थान
4 निराला काव्य की प्रयोगशीलता
5 निराला की प्रगतिशील चेतना
6 निराला का गीति काव्य
7 निराला की काव्य भाषा
8 निराला काव्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
9 निराला काव्य में प्रकृति चित्रण
10 निराला की स्त्री विषयक दृष्टि
11 राष्ट्रीयता स्वाधीनता संग्राम और निराला की कविता

सहायक ग्रंथ

1 नन्द दुलारे वाजपेयी : कवि निराला
2 रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना भाग – 1, 2, 3
3 बच्चन सिंह : क्रांतिकारी कवि निराला
4 दूधनाथ सिंह : निराला : आत्महंता आस्था
5 विश्वम्भर मानव : काव्य का देवता निराला
6 गंगा प्रसाद पांडेय : महाप्राण निराला
7 रामरतन भटनागर : निराला नव मूल्यांकन
8 कुसुम वार्ष्णेय : निराला का कथा साहित्य
9 रेखा खरे : निराला की कविताएँ और काव्य भाषा
10 धनंजय वर्मा : निराला काव्य का पुनर्मूल्यांकन
11 से0 पं0 चेलिशेब : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित कविताओं में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–IV)
जयशंकर प्रसाद – I

Soft Core **Paper Code : 17HND23DB4**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. छायावाद की युगीन एवं पूर्ववर्ती परिस्थितियों का आंकलन।
CO 2. छायावादी कविता के विकासक्रम को उनकी विशेषताओं के साथ जानना।
CO 3. जयशंकर प्रसाद की मेधा का प्रतिनिधित्व करने वाली इनकी रचनाओं का अनुशीलन करना।
CO 4. छायावादी कविता को जयशंकर प्रसाद के योगदान और अतिक्रमण को जानना।

क पाठ्य विषय

1 आँसू
2 लहर
निर्धारित कविताएँ : ले चल मुझे भुलावा देकर, बीती विभावरी जाग री, अशोक की चिंता, जागो जीवन के प्रभात, उठ–उठ री, लघु लघु लोल लहर झरना – झरना, खोलो द्वार, दो बूँद, पावस प्रभात, किरण, धूल का खेल
3 कामायनी – चिंता, लज्जा, श्रद्धा, इड़ा, रहस्य, आनंद

ख आलोच्य विषय

1 प्रसाद : जीवनी और कृतित्व
2 प्रसाद और उनका युग
3 प्रसाद की जीवन–दृष्टि और भारतीय–दर्शन
4 प्रसाद पूर्व काव्य परम्परा
5 छायावाद और प्रसाद
6 प्रसाद की काव्य संवेदना
7 प्रसाद की काव्य कला
8 प्रसाद का गीति काव्य
9 कामायनी का रूपक तत्व
10 कामायनी की प्रासंगिकता

सहायक ग्रंथ

1 नन्द दुलारे वाजपेयी : जय शंकर प्रसाद
2 मुक्तिबोध : कामायनी एक पुनर्विचार
3 नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ
4 प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य
5 रामलाल सिंह : कामायनी – अनुशीलन
6 वेदज्ञ आर्य : कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली
7 गिरिजाराय : कामायनी की आलोचना प्रक्रिया

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प V)
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय –I

Soft Core **Paper Code : 17HND23DB5**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. अज्ञेय के समस्त कृतित्व को हृदयंगम करने।
CO 2. प्रयोगवादी हिन्दी कविता, उपन्यास और निबन्धों में अज्ञेय के अवदान का समझना।
CO 3. अज्ञेय के विचारों एवं भाषा से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

क पाठ्य विषय

सदानीरा : भाग – 1 से
प्रकाशक – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
निर्धारित कविताएँ
विकल्प, पूर्व स्मृति, सम्भाष्य, कविता, क्रान्ति – पथे, पराजय – गान, प्रस्थान,
असीम प्रणय की तृष्णा, घृणा का गान, गा दो, आज थका हिय – हारिल मेरा,
उड चल हारिल, सावन – मेघ 1, पानी बरसा, कितनी शान्ति ! कितनी शान्ति !,
हरी घास पर क्षण भर, पहला दौंगरा, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, जनवरी छब्बीस,
बावरा अहेरी, शोषक भैया, यह द्वीप अकेला, जो कहा नहीं गया,
देह – वल्ली, सत्य तो बहुत मिले, महानगर : रात, हरा – भरा है देश

सदानीरा : भाग 2 से निर्धारित कविताएँ

सोन – मछली, चुप – चाप, रूप – केरी, सागर पर साँझ, मैंने देखा, एक बूँद, धूप,
नया कवि : आत्म – स्वीकार, इशारे जिन्दगी के, हिरोशिमा, अन्तः सलिला, बना दे,
चितेरी, असाध्य वीणा, ओ निःसंग ममेतर, कितनी नावों में कितनी बार, गति मनुष्य की, अहं
राष्ट्रीय संगमनी जनानाम्, कन्हाई ने प्यार किया, एक सन्नाटा बुनता हूँ,
नन्दा देवी, उसके पैरों की बिवाइयाँ, परती का गीत, नदी की बाँक पर छाया,
रक्त बीज, कवि का भाग, घर, गूँगे, छन्द

ख आलोच्य विषय

1 अज्ञेय का जीवन वृत्त
2 अज्ञेय की काव्य कृतियाँ
3 अज्ञेय और उनका युग
4 अज्ञेय के काव्य में वैयक्तिकता
5 अज्ञेय के काव्य में प्रेमानुभूति
6 अज्ञेय के काव्य में सौन्दर्यानुभूति
7 अज्ञेय के काव्य में प्रकृति – निरूपण
8 आधुनिकता की अवधारणा और अज्ञेय
9 अज्ञेय की काव्य कला
10 अज्ञेय की काव्य भाषा
11 असाध्य वीणा की मूल संवेदना
12 अज्ञेय और नवरहस्यवाद

सहायक ग्रंथ

1 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
2 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
3 अज्ञेय का रचना संसार : सम्पा0 गंगा प्रसाद विमल
4 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांत वांदिवडेकर
5 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
6 अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : डॉ0
7 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ0 विद्या निवास मिश्र
9 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा, दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–VI)
गजानन माधव मुक्तिबोध–I

Soft Core **Paper Code : 17HND23DB6**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. मुक्तिबोध के विषय में अथवा उनके जीवन–संघर्ष से अवगत कराना।
CO 2. मुक्तिबोध द्वारा भाषा में प्रयोग किए गए प्रतीक विधान में नयेपन से परिचित कराना।
CO 3. प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना।
CO 4. मुक्तिबोध की कविताओं से परिचित कराना।

क पाठ्य विषय

प्रतिनिधि कविताएँ : गजानन माधव मुक्ति बोध
राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली कुल 26 कविताएँ

ख आलोच्य विषय

1 मुक्तिबोध – जीवनवृत्त और कृतित्व
2 नई कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध
3 मुक्तिबोध का साहित्य दर्शन और नई कविता का आत्मसंघर्ष
4 मुक्तिबोध की प्रारंभिक कविताएँ
5 मुक्तिबोध की काव्य – रचना प्रक्रिया में यथार्थ और फैटेंसी
6 मुक्तिबोध की काव्यानुभूति
7 मुक्तिबोध की लंबी कविताएँ
8 मुक्तिबोध का वैचारिक परिप्रेक्ष्य
9 मुक्तिबोध का काव्य – शिल्प
10 मुक्तिबोध की काव्यभाषा

सहायक ग्रंथ

1 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
2 नई कविता और अस्तित्ववाद – डॉ0 रामबिलास शर्मा
3 कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
4 मुक्तिबोध – ज्ञान और संवेदना – नन्द किशोर नवल
5 मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
6 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब – चंचल चौहान
7 मुक्तिबोध की आत्मकथा – विष्णु चंद शर्मा

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित कविताओं में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य –।।

Hard Core **Paper Code : 17HND24C1**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. 'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रास काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

CO 2. विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयंगम किया जाता है।

CO 3. मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

CO 4. रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ–साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

सूरदास

भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल
पाठ्य पद–21 से 70–कुल 50 पद

तुलसीदास

कवितावली, गीता प्रैस गोरखपुर

व्याख्या के लिए निर्धारत पद

बालकाण्ड – 1 से 7, 17, 20, 22
अयोध्या काण्ड – 1,2,7,11,12,19 से 28
उत्तरकाण्ड – 26 से 60

बिहारी

बिहारी रत्नाकार–सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
निर्धारित दोहे–1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38, 42, 45, 46, 51, 52, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71, 73, 74, 75, 76, 78, 83, 85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104, 112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 182, 188, 190, 191, 192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 317, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713–100 दोहे

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न

सूरदास

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत
सूर की भक्ति भावना
सूर का श्रृंगार वर्णन
सूर का वात्सल्य वर्णन
सूर की भाषा–शैली

सूर की गीतियोजना
भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

तुलसीदास

- तुलसीदास की भक्तिभावना
- तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि
- तुलसीदास की प्रासंगिकता
- तुलसीदास की समन्वय भावना
- कवितावली का काव्य रूप
- कवितावली का काव्य सौष्ठव
- तुलसीदास की लोकमंगल–भावना

बिहारी

सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई
मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी
बिहारी का श्रृंगार वर्णन
बिहारी का सौन्दर्यबोध
बिहारी की बहुज्ञता
बिहारी का शिल्प पक्ष

सहायक ग्रंथ

1 तुलसी दर्शन मीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
2 तुलसीदास–चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
3 तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी साहित्य संस्थान, रोहतक।
4 तुलसी का मानस–डॉ0 मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।
5 सूर और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
6 सूर की साहित्य साधना–डॉ0 भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
7 बिहारी और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।
8 हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
9 बिहारी–बच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।
10 महाकवि बिहारी का श्रृंगार निरूपण–डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिएँ। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र
पाश्चात्य काव्य शास्त्र –।।

Hard Core **Paper Code : 17HND24C2**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय देना जिससे साहित्यिक समझ एवं दृष्टि विकसित होती है।
CO 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना
CO 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के साम्य–वैषम्य और उनके कारणों पर विचार करना
CO 4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास का परिचय देना
CO 5. नई समीक्षा के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना
CO 6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का साहित्य में महत्त्व और उपादेयता पर विचार करना।
CO 7. आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वड्र्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद–
- स्वच्छन्दतावाद
- शास्त्रीयतावाद
- अभिव्यंजनावाद
- मार्क्सवाद
- फ्रायडवाद
- अस्तित्ववाद
- उत्तर आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ0 मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा–डॉ0 तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।
4 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया–हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी ।
6 पाश्चात्य काव्य चिंतन–डॉ0 करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

7 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ–सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

8 हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ–सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9 हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार–रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

<u>निर्देश –</u>

1 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र
भारतीय साहित्य – ।।

Hard Core **Paper Code : 17HND24C3**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. भारतीय साहित्य के अध्ययन से क्षेत्रियता का लोप होकर राष्ट्रीयता का बोध कराना।
CO 2. भारतीय साहित्य के विविध आयाम इसे आधुनिकता और विश्व–दृष्टि से जोड़ते हैं।
CO 3. भारतीय साहित्य विविधता में एकता का दर्शन कराता है।
CO 4. भारतीय साहित्य भारतीय समाज में सामंजस्य स्थापित कराता है।

(क) भारतीय साहित्य की सैद्धांतिक अवधारणा
भारतीय साहित्य का स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीयता का समाजशास्त्र

(ख) पाठ्य विषय

दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित गजलें :

बस कि दुश्वार है	18
ये न थी हमारी किस्मत	21
ज़िक्र उस परीचश का	44
रहिए अब ऐसी जगह	128
कोई उम्मीद बर नहीं आती	162
दिले नादां तुझे हुआ क्या है	163
हर एक बात पै कहते हो	179
नुक्तची है ग़म–ए–दिल	192
इब्ने मरियम हुआ करे कोई	216
हजारों ख्वाहिशें ऐसी	220

रवीन्द्रनाथ की कहानियाँ (खण्ड ।), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियॉ–

पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, नष्टनीड़, पत्नी का पत्र, पात्र और पात्री
'खामोश अदालत जारी है' (नाटक) : विजय तेंदुलकर
संस्कार (उपन्यास) : यू0 आर0 अनंतमूर्ति

(ग) आलोच्य विषय

ग़ालिब की ग़ज़लों का काव्य–सौष्ठव
रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियॉ–पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना एवं चरित्र चित्रण पर आधारित प्रश्न
'खामोश अदालत जारी है' : नाटक की मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण, पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर व्यंग्य, रंगमंच की दृष्टि से नाटक
संस्कार : उपन्यास का मूल प्रतिपाद्य, नामकरण, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण, उपन्यास का शिल्प–पक्ष

सहायक ग्रंथ :

1 बंगला साहित्य की कथा : हिंदी साहित्य – सुकुमार सेन, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग सं0 2009
2 रवीन्द्र कविता कानन – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली–1955
3 बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमारसेन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली–1970
4 फोर्ट विलियम कॉलेज, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–1948
5 मध्यकालीन धर्म साधना, हजारीप्रसाद द्विवेदी साहित्य भवन, इलाहाबाद सं0 1013

निर्देश –

1 खंड क और ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा ।

2 खंड क और ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–I)
प्रयोजनमूलक हिंदी –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DA1**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान
CO 2. अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्त्व
CO 3. जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता और लेखन की विशिष्ट शैली का ज्ञान।
CO 4. कंप्यूटर प्रयोग की सैद्धांतिक–व्यावहारिक जानकारी और हिन्दी प्रयोग की विविध विधियों का ज्ञान कराना।
CO 5. राजभाषा हिन्दी का ज्ञान।
CO 6. कार्यालयी राजभाषा के प्रमुख प्रकार्यों की जानकारी।

खंड –क
पत्रकारिता

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्व
- हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास
- संवाददाता के गुण
- समाचार लेखन कला
- समाचार के स्रोत
- प्रेस विज्ञप्ति
- संपादक और संपादन
- प्रूफ पठन और संशोधन

खंड–ख
मीडिया लेखन

जन संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
जनसंचार माध्यम :

- मुद्रण (प्रिंट मीडिया) समाचार पत्र का साहित्यिक स्वरूप
- श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का भाषाई एवं साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन, चलचित्र आदि) का भाषाई और साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

खंड–ग
पारिभाषिक शब्दावली

भाषाविज्ञान की शब्दावली

मानविकी शब्दावली

प्रशासनिक शब्दावली

कंप्यूटर शब्दावली

सहायक ग्रंथ

1 राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2 प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3 व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4 भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
6 भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
7 आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
8 प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
9 कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
10 कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
12 रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13 सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

निर्देश :

1 पाठ्यक्रम के खंड क और ख में से तीन–तीन प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थियों को कुल तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 42 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 खंड ग में निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली में से 20 अंग्रेजी शब्द दिए जाएंगे । परीक्षार्थियों को 14 शब्दों के हिंदी पारिभाषिक रूप लिखने होंगे। प्रत्येक उत्तर एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र (विकल्प–II)
दृश्य–श्रव्य माध्यम–लेखन – ।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DA2**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप की जानकारी होना।
CO 2. दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन की सैद्धांतिकी प रप्रकाश डालना।
CO 3. मुद्रण माध्यम लेखन की विशिष्ट प्रकृति एवं सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
CO 4. आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु विविध विधाओं में लेखन के सिद्धांतों की जानकारी।

(क) श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) लेखन

समाचार–लेखन और प्रस्तुतीकरण
वार्ता–लेखन और प्रस्तुतीकरण
आकाशवाणी नाटक लेखन–प्रविधि
आकाशवाणी नाटक के भेद–नाट्य रूपांतरण, नाट्य–धारावाहिक
आकाशवाणी की हिंदी भाषा का स्वरूप
आकाशवाणी के विज्ञापन का स्वरूप
रेडियो नाटक और पाठ्य नाटक में अंतर

(ख) दृश्य–श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन) लेखन

समाचार लेखन और प्रस्तुतीकरण
धारावाहिक स्वरूप और लेखन/नाटक
दूरदर्शन चलचित्र (टेलीफिल्म)
दूरदर्शन के विभिन्न कार्यक्रमों की भाषा
दूरदर्शन का विज्ञापन और उसकी हिंदी भाषा
दूरदर्शन के दृश्य–श्रव्य तत्वों का सामंजस्य
हिंदी के समक्ष दूरदर्शन संबंधी चुनौतियाँ
आकाशवाणी और दूरदर्शन की हिंदी भाषा की तुलना
दृश्य और श्रव्य माध्यमों की चुनौतियाँ

सहायक पुस्तकें

पत्रकारिता के सिद्धान्त – डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी
द्वितीय संस्करण : 2002 नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
आधुनिक पत्रकारिता – डॉ0 अर्जुन तिवारी
प्रथम संस्करण – 1984 ई0, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ0 हरिमोहन
प्रथम संस्करण – 1997 तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली।
हिन्दी पत्रकारिता सिद्धान्त और स्वरूप– सविता चड्ढा
प्रथम संस्करण – 1995 तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली।
हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार – डॉ0 ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष – 2000

इलैक्ट्रानिक मीडिया – पी0 के0 आर्य
प्रतिभा प्रतिष्ठान, दरियागंज, नई दिल्ली प्रकाशन वर्ष – 2006
सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – प्रो0 हरिमोहन
तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष – 2002
संचार से जनसंचार – रुपचन्द गौतम
श्री नटराज प्रकाशन, नयी दिल्ली प्रकाशन वर्ष – 2005

निर्देश

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों खण्डों में से कुल आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–III)
कोश विज्ञान –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DA3**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. कोश के स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी देना और शब्दकोश, समानान्तर कोश, लोकोक्ति–मुहावरा कोश, सन्दर्भ कोश, आदि के निर्माण की प्रविधि सिखाना।
CO 2. कोश विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए अन्य विषयों के अंतरसंबंध।
CO 3. कोश निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराना।
CO 4. कंप्यूटर में कोश विज्ञान की भूमिका को प्रतिपादित करना।

खण्ड क

प्रविष्टि संरचना, रूपिम, शब्द और शब्दिम, सरल, व्युत्पन्न और सामासिक, शब्दिम, सामासिक शब्दिम सहप्रयोगात्मक, व्युत्पादक समास, सहप्रयोग और संदर्भ

खण्ड ख

रूप : अर्थ संबंध : अनेकार्थकता, समानार्थकता, समानता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता
समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में
अलिखित भाषाओं का कोश–निर्माण

खण्ड ग

- कम्प्यूटर और कोश–निर्माण
- स्वचालित सामग्री संसाधन
- कम्प्यूटर में हिंदी वर्णमाला तथा वर्तनी के मानकीकरण की समस्या
- कम्प्यूटर में हिंदी की–बोर्ड के विविध रूप
- वैव पब्लिशिंग तथा इंटरनेट सामग्री सृजन

सहायक पुस्तकें

1 हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2 भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 अर्थानुशासन (शब्दार्थ–विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6 शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

निर्देश :

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड से तीन–तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–IV)
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DA4**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता के निरंतर बदलते स्वरूप का परिचय कराना।

CO 2. कविता में आधुनिक बोध तथा विचारों की भूमिका बढ़ी। समकालीन और जनवादी कविता के साथ गज़ल भी हिन्दी कविता का हिस्सा बनी। हिन्दी कविता की विकास प्रक्रिया का ज्ञान कराना।

CO 3. शमशेर बहादुर सिंह के यथार्थवादी चित्रण और युगबोध, नरेश मेहता के काव्य में नई भाव भूमि, नए मानव मूल्य तथा नए समाज की कल्पना का प्रभाव देखा जा सकता है।

CO 4. लीलाधर जगूड़ी, कुंवरनारायण, मंगलेश डबराल और केदारनाथ को उनकी कृतियों के माध्यम से समझना और समकालीन संदर्भों में उनकी महत्ता समझना।

क पाठ्य विषय

- **कुँवरनारायण** : कुँवर नारायण संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
  कविताएँ : चक्रव्यूह, ये पंक्तियाँ मेरे निकट, अजामिल–मुक्ति, घबराहट, समुद्र की मछली, कविता की जरूरत, अयोध्या–1992, वाजश्रवा, नचिकेता, अपठनीय

- **केदारनाथ सिंह** : यहाँ से देखो, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
  कविताएँ : एक ठेठ देहाती कार्यकर्त्ता के प्रति, पानी में घिरे हुए लोग, बनारस, शहर में रात, बुनने का समय, ऊँचाई, सुई और तागे के बीच, शीतलहरी में एक बूढ़े आदमी की प्रार्थना, दन्तकथा, सन् 47 को याद करते हुए

- **लीलाधर जगूड़ी** : भय भी शक्ति देता है, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
  कविताएँ : गिरी हुई चीज, हत्यारा, गए–गुजरे, उनकी वापसी, अगर रात न होती, स्त्री प्रत्यय, बदले में, दो विद्वानों के बीच साग–पात, प्रस्थान

- **मंगलेश डबराल** : कवि ने कहा (चुनी हुई कविताएँ) किताबघर प्रकाशन, दिल्ली ।
  कविताएँ : पैदल बच्चे, स्कूल, टी0वी0 दृश्य, गुमशुदा, माँ की तस्वीर, बच्चों के लिए चिट्ठी, छुपम–छुपाई, संगतवार, केशव अनुरागी, दुःख, गुलरात के मृतक का बयान

ख आलोच्य विषय

- **कुँवरनारायण**–कुँवरनारायण की कविता में सामाजिक यथार्थ
  कुँवरनारायण की कविता में संघर्ष चेतना
  कुँवरनारायण की कविता में वैचारिकता

केदारनाथ सिंह–सामाजिक सरोकार, काव्य संवेदना, काव्य शिल्प, प्रकृति चित्रण

लीलाधर जगूड़ी–राजनैतिक चेतना, सामाजिक चेतना, काव्य संवेदना, काव्य–शिल्प

मंगलेश डबराल–राजनैतिक चेतना, यथार्थ चित्रण, काव्यगत विशेषताएँ, कविता के सरोकार, वैचारिकता

सहायक पुस्तकें

1 अकविता और कला संदर्भ–श्याम परमार : कृष्णा ब्रदर्स, अजमेर 1968

2 आठवें दशक की हिंदी कविता–संपादक : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : प्रकाशन संस्थान, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032 : 1982

3 आधुनिकता और समकालीन रचना–संदर्भ–नरेन्द्र मोहन : आदर्श साहित्य प्रकाशन, दिल्ली : 1967

4 आधुनिकता : साहित्य के संदर्भ में–गंगाप्रसाद विमल, दि मैकमिलन कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, नयी दिल्ली–1978

5 समकालीन अनुभव और कविता की रचना प्रक्रिया : डॉ0 हरदयाल : जयश्री प्रकाशन, दिल्ली–1981

6 समकालीन कविता का मूल्यांकन–डॉ0 गुरचरण सिंह : जयश्री प्रकाशन, दिल्ली 1985

7 समकालीन कविता की भूमिका–सम्पादक : डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय एवं मंजुल उपाध्याय : दि मैकमिलन कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, नयी दिल्ली–1976

8 समकालीन कविता के सरोकार–डॉ0 गुरचरण सिंह : नवलोक प्रकाशन, दिल्ली 2000

9 समकालीन हिंदी कविता–संपादक : हरीश पाठक : पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी प्रा0 लिमिटेड, नयी दिल्ली–1996

10 समकालीन हिंदी कविताएँ–संपादक : स्वदेश भारती : रूपाम्बरा प्रकाशन, कलकत्ता : 1984

11 हिंदी कविता की प्रवृत्ति–डॉ0 हरदयाल, सरस्वती प्रेस, नई दिल्ली : 1988

12 हिंदी कविता : तीन दशक–डॉ0 रामदरश मिश्र, ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली : 1969

13 हिंदी नई कविता का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन–मंजु गुप्ता : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद : 1992

14 हिंदी नई कविता : मिथक काव्य–डॉ0 अश्विनी पाराशर : दीर्घा साहित्य संस्थान, दिल्ली–1985

15 हिंदी साहित्य : परिवर्तन के सौ वर्ष–ओंकारनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली : 1969

16 आज की कविता–विनय विश्वास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2008

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–V)
नाटक और रंगमंच –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DA5**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. धर्मबीर भारती के 'अंधायुग' द्वारा युद्ध की विभीषिका और परिणामों से अवगत कराना। . भारतेन्दु के 'भारत दुर्दशा' नाटक के द्वारा देश के तत्कालीन समाज का चित्रण और अंग्रेजों द्वारा आर्थिक शोषण एवं सामाजिक शोषण द्वारा देश के विनाशकारी रूप का चित्रण। 'एक कण्ठ विषपायी' तथा 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' द्वारा सड़ी गली परंपराओं का विरोध कर सत्य पथ पर अडिग रहने का भाव जाग्रत करना।सर्वेश्वर दयाल शर्मा के 'बकरी' नाटक के माध्यम से समाज में व्याप्त शोषण के प्रति शोषित वर्ग को जाग्रत करना।

CO 2. नाटक की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना।

CO 3. प्रमुख नाटकों एवं नाटककारों की विशिष्टताओं के माध्यम से नाटक और समाज के अन्तर्संबंध को समझना

CO 4. नाटक और रंगमंच के इतिहास से परिचित कराना।

CO 5. नाटकों के माध्यम से समाज के बदलते परिदृश्य, मूल्यों तथा विकास की परंपरा का ज्ञान कराना।

क पाठ्य पुस्तकें :

अंधा युग : धर्मवीर भारती
एक सत्य हरिश्चन्द्र : लक्ष्मीनारायण लाल
एक कंठ विषपायी : दुष्यंत कुमार
बकरी : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

ख आलोच्य विषय

- अंधा युग : नाट्य–काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूल संवेदना, नामकरण की सार्थकता, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
- एक सत्य हरिश्चन्द्र : प्रतिपाद्य, नामकरण, नायकत्व, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण, अभिनेयता
- एक कंठ विषपायी : नाट्य–काव्य के रूप में मूल्यांकन, मूल संवेदना, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
- बकरी : प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, अभिनेयता

सहायक पुस्तकें

1	अन्धायुग और भारती के अन्य नाट्य प्रयोग	जयदेव तनेजा
2	हिंदी नाटक और लक्ष्मीनारायण लाल की रंगयात्रा	डॉ0 चन्द्रशेखर
3	नाटककार लक्ष्मीनारायणलाल की रंगयात्रा	नरनारायण राय
4	हिंदी के प्रतीक नाटक	रमेश गौतम
5	हिंदी नाटक चिंतक	डॉ0 कुसुम कुमार
6	दुष्यंत कुमार का काव्य : संवेदना और शिल्प	देवीलाल
7	दुष्यंत कुमार के काव्य में युगबोध	प्रकाशचन्द्र
8	दुष्यंत कुमार : रचनाएँ और रचनाकार	अष्टेकर
9	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : व्यक्ति और साहित्य	डॉ0 कल्पना अग्रवाल

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र (विकल्प–VI)
हिंदी उपन्यास –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DA6**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. उपन्यास की सैद्धांतिक अवधारणा को समझना।
CO 2. हिन्दी उपन्यास की विकास पंरपरा का ज्ञान कराना। हिन्दी उपन्यास की विविध प्रवृत्तियों के जरिए उपन्यास की विकास यात्रा को जानना।
CO 3. उपन्यास के उद्‌भव को संभव बनाने वाली परिस्थितियों को बताना।
CO 4. प्रमुख उपन्यासों एवं उपन्यासकारों की विशिष्टताओं के जरिए उपन्यास और समाज के अन्तर्संबंध को समझना।

क पाठ्य पुस्तकें

आपका बंटी : मन्नू भंडारी
तमस : भीष्म साहनी
कितने पाकिस्तान : कमलेश्वर
कलिकथा वाया बाइपास : अलका सरावगी

ख आलोच्य विषय

आपका बंटी : मूल प्रतिपाद्य, बाल मनोविज्ञान, दाम्पत्य सम्बंध का स्वरूप, प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
तमस : साम्प्रदायिकता की समस्या, नामकरण, युगीन परिदृश्य
कितने पाकिस्तान : नामकरण, मूल प्रतिपाद्य, युगीन परिदृश्य, इतिहास का पुनर्पाठ, कथा–शिल्प
कलिकथा वाया बाइपास : मूल संवेदना, मूल्य–विघटन, उपभोक्तावादी संस्कृति का चित्रण, कथा–शिल्प

सहायक पुस्तकें–

1 मन्नू भंडारी का उपन्यास साहित्य : श्रीमती नंदिनी, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ ।
2 भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना : राजेश्वर सक्सेना एवं प्रताप ठाकुर वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
3 आधुनिक हिदी उपन्यास : व्यक्तित्व विघटन के निकष पर – डॉ0 नीरजा जैन, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली ।
4 इतिवृत्त की संरचना और स्वरूप : डॉ0 रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
5 समकालीन कथा साहित्य : सरहदें और सरोकार : डॉ0 रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
6 उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा । पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष साहित्यकार (विकल्प–I)
भारतेन्दु हरिश्चंद्र (गद्यकार रूप) – I I

Soft Core **Paper Code : 17HND24DB1**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. भारतेनदु के जीवन और साहित्य की जानकारी।

CO 2. भारतेन्दु युगीन प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना।

CO 3. हिन्दी पत्रकारिता, नाटक और काव्य के क्षेत्र में भारतेन्दु के योगदान का ज्ञान कराना।

CO 4. हिन्दी भाषा को राष्ट्र–भाषा के रूप में प्रतिष्ठित कराने में भारतेन्दु के योगदान से परिचित कराना।

CO 5. नवजागरण में भारतेन्दु के योगदान से परिचित कराना।

क पाठ्य विषय

1 भारत दुर्दशा
2 विषस्य विषमौषधम्
3 नील देवी
4 स्वर्ग में विचारसभा
5 सबै जाति गोपाल की
6 भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ?
7 रामायण का समय
8 खुशी

पाठ्य पुस्तक

भारतेन्दु समग्र – हिंदी प्रचारक पब्लिकेशंस प्रा0 लि0
सी 21/30 दिशा विमोचन, वाराणसी 2002

ख आलोच्य विषय

1 गद्यकार के रूप में परिचय
2 गद्य साहित्य में व्यंग्य–विधान
3 निर्धारित नाटकों की अभिनेयता
4 नाटक में व्यंग्य – विधान
5 नाट्य साहित्य में राष्ट्रीय – चेतना
6 नाट्य साहित्य में तत्कालीन सामाजिक चित्रण
7 गद्य साहित्य में सांस्कृतिक चित्रण
8 निबंध साहित्य में चित्रित तत्कालीन परिदृश्य
9 गद्य – भाषा का स्वरूप
10 नाट्य – भाषा का स्वरूप
11 पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान
12 भारतेन्दु हरिश्चंद्र नवजागरण के अग्रदूत हैं कथन की समीक्षा

सहायक ग्रंथ

1 भारतेंदु समग्र – हेमंत शर्मा, प्रचारक ग्रंथावली परियोजना हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी 1989
2 भारतेंदु साहित्य – रामरत्न भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद 1948
3 भारतेंदु के नाटक – डॉ0 भानुदेव शुक्ल, ग्रंथम प्रकाशन, रामबाग कानपुर 1972
4 भारतेंदु काव्यादर्श – डॉ0 कृष्ण किशोर मिश्र, प्रत्यूष प्रकाशन, कानपुर ।
5 भारतेंदु के विचार : एक पुनर्विचार – डॉ0 चन्द्रभानु सोमवर्ण अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर 1977
6 भारतेंदु साहित्य – मदन गोपाल, राजपाल एंड संस दिल्ली – 1976
7 भारतेंदु का गद्य : साहित्य – समाज – डॉ0 कपिल दुबे, साहित्य निलय, नोबस्ता, कानपुर 1967
8 भारतेंदु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता – डॉ0 रमेश गौतम, के0एल0 पचौरी प्रकाशन इन्द्रपुर गाजियाबाद, दिल्ली ।
9 भारतेंदु हरिश्चन्द्र – डॉ0 श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
10 भारतेंदु की विचारधारा – डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, शक्ति कार्यालय, दरियागंज, इलाहाबाद 1679
11 भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी जागरण – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1990
12 हिंदी नाटक विमर्श – बाबू गुलाब राम, महेन्द्रचन्द्र लक्ष्मणदास, लाहौर 1930
13 भारतेंदुकालीन व्यंग्य परंपरा – बृजेन्द्र नाथ पाण्डेय, कल्याणदास रामनारायणलाल, प्रयाग 1992

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एकअंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–II)
विकल्प – प्रेमचंद –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DB2**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. प्रेमचंद की युगीन परिस्थितियों का ज्ञान कराना।
CO 2. प्रेमचंद की पूर्ववर्ती कथा परंपरा से परिचय कराना।
CO 3. प्रेमचंद की कृत्तियों के जरिए प्रेमचंद के योगदान को रेखांकित करना। प्रेमचंद की चुनिंदा रचनाओं के जरिए प्रेमचंद को समग्रता में समझ सकना।
CO 4. प्रेमचंद के समकालीन और परवर्ती रचनाकारों–आलोचकों की दृष्टि से प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन कर सकना।

क पाठ्य विषय

1 रंगभूमि
2 कर्मभूमि
3 प्रेमाश्रम

ख आलोच्य विषय

1 प्रेमचंद पूर्व उपन्यास – परम्परा
2 प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक – चेतना
3 प्रेमचंद के उपन्यासों में आदर्श और यथार्थ
4 प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी – चित्रण
5 प्रेमचंद का औपन्यासिक शिल्प
6 रंगभूमि में गॉधीवादी दर्शन
7 प्रेमाश्रम में कृषक जीवन
8 कर्मभूमि में राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन
9 हिंदी उपन्यास को प्रेमचंद का योगदान

सहायक ग्रंथ

1 जैनेन्द्र कुमार : प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व
2 नन्द दुलारे वाजपेयी : प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
3 अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
4 शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में
5 रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
6 कल्याणमल लोढ़ा सं0 : प्रेमचंद परिचर्चा
7 राजेश्वर गुरु संपादक : गोदान मूल्यांकन माला
8 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद
9 शैलेश जैदी : प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा – नव मूल्यांकन
10 कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
11 नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
12 रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
13 कोमल कोठारी, देया : प्रेमचंद के पात्र
14 मदन गोपाल : कलम का मजदूर

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–III)
विकल्प – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DB3**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. निराला की युगीन एवं पूर्ववर्ती परिस्थितियों का आकलन।
CO 2. छायावादी कविता को निराला के योगदान और अतिक्रमण को जानना।
CO 3. छायावादी कविता की विशिष्टताओं को समझना।
CO 4. निराला के विद्रोही तेवरों और प्रगतिवादी कविता के प्रति उनके रूझान को समझना।
CO 5. निराला को उनकी कृतियों के माध्यम से समझना और समकालीन संदर्भों में उनकी महत्ता समझना।

क पाठ्य विषय

कुल्ली भाट और बिल्लेसुर बकरिहा, चोटी की पकड़
निराला की कहानियाँ – प्रेमपूर्ण तरंग, क्या देखा, पदमा और लिली, ज्योतिर्मयी, कमला, श्यामा, प्रेमिका परिचय, हिरनी, परिवर्तन, अर्थ, न्याय, सखी, देवी, चतुरी चमार, राजा साहब को ठेंगा दिखाया, सफलता, सुकुल की बीबी, श्रीमती गजानन्द शास्त्रिणी, जानकी !, दो दाने

ख आलोच्य विषय

1 निराला के कथा साहित्य के मूल सरोकार
2 निराला की उपन्यास कला
3 निराला की कहानी कला
4 निराला का वैचारिक गद्य
5 निराला और राष्ट्रीय आन्दोलन
6 निराला की काव्य संबंधी अवधारणा
7 निराला की सामाजिक दृष्टि
8 राष्ट्रभाषा संबंधी विमर्श और निराला
9 निराला का समीक्षात्मक लेखन
10 दलित विमर्श और निराला

सहायक ग्रंथ

1 नन्द दुलारे वाजपेयी : कवि निराला
2 रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना भाग – 1, 2, 3
3 बच्चन सिंह : क्रांतिकारी कवि निराला
4 दूधनाथ सिंह : निराला : आत्महंता आस्था
5 विश्वम्भर मानव : काव्य का देवता निराला
6 गंगा प्रसाद पांडेय : महाप्राण निराला
7 रामरतन भटनागर : निराला नव मूल्यांकन
8 कुसुम वार्ष्णेय : निराला का कथा साहित्य
9 रेखा खरे : निराला की कविताएँ और काव्य भाषा
10 धनंजय वर्मा : निराला काव्य का पुनर्मूल्यांकन
11 से0 पं0 चेलिशेब : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–IV)
विकल्प – जयशंकर प्रसाद – ।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DB4**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. छायावाद की युगीन एवं पूर्ववर्ती परिस्थितियों का आंकलन।

CO 2. छायावादी कविता के विकासक्रम को उनकी विशेषताओं के साथ जानना।

CO 3. जयशंकर प्रसाद की मेधा का प्रतिनिधित्व करने वाली इनकी रचनाओं का अनुशीलन करना।

CO 4. छायावादी कविता को जयशंकर प्रसाद के योगदान और अतिक्रमण को जानना।

क पाठ्य पुस्तकें

1 ध्रुवस्वामिनी नाटक

2 तितली उपन्यास

3 जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली ।
निर्धारित कहानियाँ – ग्राम, शरणागत, पत्थर की पुकार, ममता, स्वर्ग के खंडहर में, सुनहला साँप, चूड़ीवाला, आँधी, मधुवा, पुरस्कार, नीरा, इन्द्रजाल, छोटा जादूगर, गुंडा, विराम – चिह्न

ख आलोच्य विषय

1 हिंदी नाट्य–परम्परा और प्रसाद

2 प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना

3 प्रसाद के नाटकों में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय

4 प्रसाद और रंगमंच

5 ध्रुवस्वामिनी में स्त्री प्रश्न

6 प्रसाद के उपन्यासों में यथार्थ

7 हिंदी कहानी परंपरा और प्रसाद

8 पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना

9 प्रसाद की गद्यभाषा

10 प्रसाद की प्रासंगिकता

सहायक ग्रंथ

1 नन्द दुलारे वाजपेयी : जय शंकर प्रसाद

2 सिद्धनाथ कुमार : प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन

3 गोविन्द चातक : प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना

4 गिरीश रस्तोगी, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव : प्रसाद का कथा साहित्य

5 सूर्य प्रसाद दीक्षित : प्रसाद का गद्य

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–V)

विकल्प – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – I I

Soft Core **Paper Code : 17HND24DB5**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. अज्ञेय के समस्त कृतित्व को हृदयंगम करने।

CO 2. प्रयोगवादी हिन्दी कविता, उपन्यास और निबन्धों में अज्ञेय के अवदान का समझना।

CO 3. अज्ञेय के विचारों एवं भाषा से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।

क पाठ्य विषय

1 शेखर : एक जीवनी (दोनों भाग)

2 लौटती पगडंडिया अज्ञेय की सम्पूर्ण कहानियॉ खंड – 2 राजपाल एंड संस, दिल्ली । सिगनेलर, मनसो, कलाकार की मुक्ति, कोठरी की बात, इंदु की बेटी, शरणदाता, जयदोल, पठार का धीरज, हीलीबोन की बत्तखें, मेजर चौधरी की वापसी, देवीसिंह, नारंगियां, हजामत का साबुन, सॉप, खितीन बाबू

3 त्रिशंकु (निबंध संग्रह)

ख आलोच्य विषय

1 अस्तित्ववाद और उपन्यासकार अज्ञेय

2 अज्ञेय के उपन्यासों में व्यक्ति स्वातंत्र्य और प्रेम

3 उपन्यास का नया विधान

4 शेखर : एक जीवनी का मूल प्रतिपाद्य

5 अज्ञेय का नारी चित्रण

6 पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना

7 कथा शिल्प के नए प्रयोग और अज्ञेय

8 कथा परम्परा और अज्ञेय का स्थान

9 निबंधकार अज्ञेय

10 अज्ञेय की आलोचना दृष्टि

ख सहायक ग्रंथ

1 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक

2 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी

3 अज्ञेय का रचना संसार : सम्पा0 गंगा प्रसाद विमल

4 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांत वांदिवडेकर

5 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

6 अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : डॉ0

7 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

8 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ0 विद्या निवास मिश्र

9 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा, दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार (विकल्प–VI)
विकल्प – गजानन माधव मुक्तिबोध –।।

Soft Core **Paper Code : 17HND24DB6**

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1. मुक्तिबोध के विषय में अथवा उनके जीवन–संघर्ष से अवगत कराना।
CO 2. मुक्तिबोध द्वारा भाषा में प्रयोग किए गए प्रतीक विधान में नयेपन से परिचित कराना।
CO 3. प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का ज्ञान कराना।
CO 4. मुक्तिबोध की कविताओं से परिचित कराना।

क पाठ्य विषय

1 निर्धारित कहानियाँ – अंधेरे में, मैत्री की मॉग, समझौता, ब्रह्मराक्षस का शिष्य, क्लॉड ईथरली, काठ का सपना, सतह से उठता आदमी, जलना, विपात्र
2 निर्धारित निबंध – नई कविता का आत्मसंघर्ष, समाज और साहित्य, नई समीक्षा का आधार, मार्क्सवादी साहित्य का सौंदर्य पक्ष, वस्तु और रूप, साहित्य में जीवन की पुनर्रचना, रचनाकार का मानवतावाद
3 एक साहित्यिक की डायरी

ख आलोच्य विषय

1 मुक्तिबोध का कथा वैशिष्ट्य
2 पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना
3 पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों की मूल संवेदना
4 विपात्र कहानी में मध्यवर्गीय जीवन की विसंगतियाँ
5 मुक्तिबोध की समीक्षा – दृष्टि
6 मार्क्सवाद की आलोचना में मुक्तिबोध का स्थान
7 एक साहित्यिक की डायरी और मुक्तिबोध की काव्य विषयक अवधारणाएँ
8 कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन और मुक्तिबोध
9 मुक्तिबोध की व्यावहारिक समीक्षा
10 मुक्तिबोध की गद्य भाषा

सहायक ग्रंथ

1 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
2 नई कविता और अस्तित्ववाद – डॉ0 रामबिलास शर्मा
3 कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
4 मुक्तिबोध – ज्ञान और संवेदना – नन्द किशोर नवल
5 मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
6 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब – चंचल चौहान
7 मुक्तिबोध की आत्मकथा – विष्णु चंद शर्मा

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।